राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 20 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-54 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समस्त देशवासियों को चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान जयंती -2026

चैत्रशुक्ल पक्ष अष्टमी 2330वी जन्म जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ

सदर आमंत्रण

रैली रुट

START

अशोका ईन्टर नेशनल स्कुल द्वारकेश विहार कौशल पार्क तलंगपोर रोड से
साई भुपत जलाराम → निलकंठ सोसायटी → काली माता मंदिर
→ पालीगाम → डायमंड गेट → ओवर ब्रीज के निचे से
→ रामदेव मेडिकल → खोडियार माता मन्दिर → जगन्नाथ मन्दिर
→ सुभाषचौक → कनकपुर से सचिन चार रस्ता → मुल्ला डाईंग
→ उन पाटिया → भेस्तान चार रस्ता → प्रियंका टाऊनशीप
मलबेरी सर्कल → बड़ौदगाम अम्बेडकर चौक → तिरुपति सर्कल
→ मिलन पोईन्ट बमरोली → तेरेनाम रोड सम्राट कोरपोरेशन मे विलय

नोट - कार्यक्रम में आप सभी समय से सपरिवार जरुर आए और अपने सगे संबंधियों मित्रों को भी आमंत्रित करे धन्यवाद।

सिंगर

लोकगायक - धनंजय कुशवाहाजी (बिहार), प्रदीप मौर्यजी (अमेठी), मुकेश मौर्यजी (सूरत)

रैली रुट

START

सम्राट कोर्पोरेशन, सुखिनगर से → तेरे नाम तीन रस्ता → श्याम मंदिर अलथान
डी-मार्ट → कैलाश चोकड़ी → पुलिस कालोनी → पियुष पोईन्ट → हरिनगर
मौर्या मार्बल → मढी खमणी → उधना स्टेशन → नीलगिरी सर्कल
गोड़ादरा चार रस्ता → साईं पोईंट → नवागाम डिंडोली (मौर्य मानव सेवा चेरीटेबल ट्रस्ट)
शिवहीरा नगर (गरनाला ब्रिज) → उधना तीन रास्ता → दक्षेश्वर BRTS
लक्ष्मी नारायण ईन्डस्ट्रीयल, लीयो कलासीस के सामने,
(लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास BRC उधना) → (END - समापन...)

पुष्पवर्षा एवं जलपान पॉईंट

1. मौर्या बाटीचोखा (तेरेनाम चोकडी) 2. निलेश कटलरी (दत्तकुटीर, विजयानगर) 3. मौर्या मार्बल (हरिनगर) 4. अम्बिका हार्डवेयर (गोडादरा)

पारिवारिक स्नेह मिलन समारोह, संगीत, सभा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गौरैया का कलरव एवं ऊर्जा का खत्म होना बड़ी चुनौती

विश्व गौरैया दिवस

ललित गर्ग

विश्व गौरैया दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम अपने भीतर झांकें और यह सोचें कि हम प्रकृति के प्रति कितने जिम्मेदार हैं। यह दिन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक संकल्प का दिन होना चाहिए-एक ऐसा संकल्प, जिसमें हर व्यक्ति यह निश्चय करे कि वह अपने स्तर पर प्रकृति और जीवों की रक्षा के लिए प्रयास करेगा। यदि हर घर एक छोटा-सा आश्रय बन जाए, हर आंगन में दाना-पानी की व्यवस्था हो जाए और हर मन में संवेदनशीलता जाग जाए, तो गौरैया फिर से लौट सकती है।

एक समय था जब सुबह की शुरूआत घर-आंगन में चहकती गौरैया की मधुर ध्वनि से होती थी। यह नन्हीं चिड़िया केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि हमारे जीवन, संस्कृति और संवेदनाओं का अभिन्न हिस्सा थी। बच्चों के बचपन की साथी, घरों की रौनक और प्रकृति की जीवंतता का प्रतीक-वही गौरैया आज हमारे आसपास से लगभग लुप्त होती जा रही है। यह केवल एक पक्षी के कम होने की कहानी नहीं, बल्कि मानव और प्रकृति के बीच बिगड़ते संतुलन का संकेत है। विश्व गौरैया दिवस हर वर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है, ताकि इस छोटी-सी चिड़िया के संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक किया जा सके। वर्ष 2026 की थीम व्यापक रूप से 'मानव और प्रकृति का सह-अस्तित्व' की भावना को आगे बढ़ाने वाली मानी जा रही है, जो यह संदेश देती है कि यदि हम प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर नहीं चलेंगे, तो न केवल गौरैया, बल्कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र संकट में पड़ जाएगा। गौरैया का जीवन मनुष्य के बेहद करीब रहा है। उसने हमारे घरों की छतों, खिड़कियों, रोशनदानों और पेड़ों पर अपने घोंसले बनाए। वह हमारी दिनचर्या का हिस्सा बनी रही। लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ ने उसे धीरे-धीरे उसके आश्रयों से बेदखल कर दिया। आज कंक्रीट के जंगलों में न तो उसके लिए घोंसले बनाने की जगह बची है और न ही उसके भोजन के स्रोत। गौरैया की घटती संख्या के पीछे कई कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है बदलती जीवनशैली। पहले घरों में खुले स्थान होते थे, मिट्टी के आंगन होते थे, छतों पर अनाज सुखाया जाता था और पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था स्वाभाविक रूप से होती थी। आज सब कुछ बंद कमरों और चमचमाती इमारतों में सिमट गया है। इससे गौरैया का प्राकृतिक निवास समाप्त हो गया है। इसके साथ ही कीटनाशकों और रासायनिक पदार्थों का अत्यधिक उपयोग भी एक बड़ा कारण है। गौरैया के बच्चे प्रारंभिक दिनों में कीट-पतंगों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन आधुनिक खेती और बागवानी में रसायनों के बढ़ते उपयोग ने इन कीटों को ही समाप्त कर दिया है। परिणामस्वरूप गौरैया के बच्चों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता और उनका जीवन खतरे में पड़ जाता है। मोबाइल

टावरों से निकलने वाली सूक्ष्म तरंगों को भी गौरैया के लिए हानिकारक माना जाता है। ये तरंगें उनके नेविगेशन और प्रजनन क्षमता को प्रभावित करती हैं। यद्यपि इस पर वैज्ञानिक शोध अभी जारी हैं, लेकिन यह निश्चित है कि बढ़ता तकनीकी प्रदूषण पर्यावरण के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। जलवायु परिवर्तन भी गौरैया के अस्तित्व पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। असमय वर्षा, अत्यधिक तापमान और मौसम के अनियमित बदलाव उनके जीवन चक्र को बाधित कर रहे हैं। इससे उनके प्रजनन और जीवन की स्थिरता प्रभावित होती है।

गौरैया का संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता का भी परिणाम है। हम धीरे-धीरे प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। हमारी प्राथमिकताएं बदल गई हैं और हमने अपने आसपास के जीवों के प्रति संवेदनशीलता खो दी है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि जब मनुष्य प्रकृति से कटता है, तो उसका अपना अस्तित्व भी संकट में पड़ जाता है। गौरैया का संरक्षण केवल एक पक्षी को बचाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण, हमारी संस्कृति और हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। इसके लिए हमें छोटे-छोटे लेकिन प्रभावी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले हमें अपने घरों और आसपास ऐसे स्थान बनाने होंगे, जहां गौरैया आसानी से घोंसला बना सके। आज बाजार में कृत्रिम घोंसले उपलब्ध हैं, जिन्हें घरों की बालकनी, दीवारों या पेड़ों पर लगाया जा सकता है। इसके साथ ही हमें नियमित रूप से दाना और पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। यह एक छोटी-सी पहल है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। हमें अपने बगीचों और आसपास के क्षेत्रों में देशी पौधों को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि कीट-पतंगों की संख्या बढ़े और गौरैया को प्राकृतिक भोजन मिल सके। जैविक खेती और रसायनों के कम उपयोग को अपनाकर भी हम इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। बच्चों में भी प्रकृति के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता विकसित करना आवश्यक है। उन्हें यह समझाना होगा कि पक्षी केवल देखने की वस्तु नहीं, बल्कि हमारे जीवन के साथी हैं। यदि बचपन से ही यह भावना विकसित होगी, तो भविष्य में एक जागरूक और जिम्मेदार समाज का निर्माण संभव होगा। सरकार और सामाजिक संस्थाओं को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। पक्षियों के संरक्षण के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी, शोध को बढ़ावा देना होगा और जन-जागरूकता अभियानों को व्यापक बनाना होगा। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक मंचों पर इस विषय को प्रमुखता से उठाना होगा। गौरैया हमें यह सिखाती है कि जीवन में सरलता, सामंजस्य और संतुलन कितना महत्वपूर्ण है। वह बिना किसी शोर-शराबे के अपने अस्तित्व को बनाए रखने की कोशिश करती है। लेकिन जब उसका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाए, तो यह हमारे लिए चेतावनी है कि हमने कहीं न कहीं प्रकृति के साथ अन्याय किया है। आज आवश्यकता है कि हम अपनी सोच को बदलें। हम यह समझें कि यह धरती केवल हमारी नहीं है। यह सभी जीवों की साझी धरोहर है। यदि हम इसे केवल अपने स्वार्थ के लिए उपयोग करेंगे, तो एक दिन ऐसा आएगा जब हमारे पास कुछ भी शेष नहीं रहेगा।

विश्व गौरैया दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम अपने भीतर झांकें और यह सोचें कि हम प्रकृति के प्रति कितने जिम्मेदार हैं। यह दिन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक संकल्प का दिन होना चाहिए-एक ऐसा संकल्प, जिसमें हर व्यक्ति यह निश्चय करे कि वह अपने स्तर पर प्रकृति और जीवों की रक्षा के लिए प्रयास करेगा। यदि हर घर एक छोटा-सा आश्रय बन जाए, हर आंगन में दाना-पानी की व्यवस्था हो जाए और हर मन में संवेदनशीलता जाग जाए, तो गौरैया फिर से लौट सकती है। उसकी चहचहाहट फिर से हमारे जीवन में खुशियां भर सकती है। अंततः, गौरैया को बचाना हमारे अपने अस्तित्व को बचाना है। यह एक छोटा-सा कदम है, लेकिन इसके पीछे छिपा संदेश बहुत बड़ा है-प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर ही मानव जीवन सुरक्षित और सुखद हो सकता है। अब समय आ गया है कि हम जागें, समझें और अपने कर्तव्य का निर्वहन करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी गौरैया की मधुर चहचहाहट को सुन सकें और प्रकृति की इस अनमोल धरोहर को सहेज सकें।

संपादकीय

बेरोजगार स्नातक

सरकारी नौकरियों की घटती संख्या, निजी क्षेत्र की जरूरतों में बदलाव, बढ़ती आबादी तथा रोजगारपरक शिक्षा के अभाव में देश में रोजगार के अवसर कम हुए हैं। कहा जाने लगा है कि अब केवल शिक्षा ही रोजगार की गारंटी नहीं रह गई है। हाल के कुछ सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं। पिछले दिनों इस कटु सत्य को बयां करती ह्यस्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2026ह्ल रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट बताती है कि देश में चालीस प्रतिशत युवा स्नातकों को बेरोजगार रहना पड़ता है। साथ ही उनमें से केवल सात फीसदी को ही एक वर्ष के भीतर स्थिर वेतन वाली नौकरियां मिल पाती हैं। निस्संदेह, हाल ही में सामने आए ये आंकड़े देश में रोजगार सृजन और उच्च शिक्षा तक पहुंच के बीच के असंतुलन को ही उजागर करते हैं। उल्लेखनीय है कि अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्येक वर्ष करीब पचास लाख स्नातक देश के कार्यबल में प्रवेश करते हैं। लेकिन उनमें से मुश्किल से आधे ही रोजगार पा सकते हैं। इसके साथ ही उन्हें कम सुरक्षित व कम वेतन वाली नौकरियां ही मिलती हैं। निश्चय ही दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाले देश के लिये यह सुखद संकेत नहीं कहा सकता है। अन्य शब्दों में कहें तो स्नातक होने और रोजगार के अवसरों के बीच व्याप्त असंतुलन के चलते भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश के कालांतर जनसांख्यिकीय दायित्व में तब्दील होने का खतरा पैदा हो रहा है। जिसे देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए। विशेषज्ञों का अनुमान है कि देश में कामकाजी उम्र की आबादी के साल 2030 से पहले चरम पर पहुंचने का आकलन है। इस स्थिति में चिंता जतायी जा रही है कि देश में युवा ऊर्जा के सदुपयोग करने का अवसर तेजी से कम होता जा रहा है। निर्विवाद रूप से यदि भविष्य में पर्याप्त और लाभकारी रोजगार के अवसर पैदा नहीं किए जाते हैं तो देश में बेरोजगारी बढ़ने से युवाओं के कुंठित होने का खतरा पैदा हो सकता है। वहीं दूसरी ओर भारतीय रोजगार परिदृश्य पर नजर रखने वाले विशेषज्ञ चिंता जता रहे हैं कि देश को शिक्षित युवाओं में लगातार बढ़ती निराशा, स्थिर आय और धीमी आर्थिक गतिशीलता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वास्तव में यहां प्रश्न केवल संख्या का ही नहीं है वरन यह रोजगार की गुणवत्ता का भी सवाल है। देश में कई स्नातक ऐसे संस्थानों से निकलते हैं, जो शिक्षकों की कमी, पुराने पाठ्यक्रम और कमजोर उद्योग संबंधों जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। विडंबना यह भी है कि देश में कुशल श्रम को रोजगार देने में सक्षम क्षेत्र, मसलन विनिर्माण और उच्च मूल्य वाली सेवाएं पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हुई हैं। इसका परिणाम यह है कि डिग्री की संख्या रोजगार बाजार में मांग की संख्या के अनुपात में कहीं अधिक है। वहीं दूसरी ओर, निर्विवाद रूप से देश के रोजगार बाजार में सकारात्मक रूप से भी प्रगति के संकेत मिल रहे हैं। जाति और लिंग से जुड़ी व्यावसायिक बाधाएं धीरे-धीरे कम हो रही हैं। हालांकि, रोजगार सृजन में समांतर वृद्धि के बिना ये उपलब्धियां महत्वहीन ही होंगी। यह भी हकीकत है कि मौजूदा परिदृश्य में देश को नामांकन बढ़ाने की प्राथमिकता से हटकर रोजगार क्षमता बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा।

चिंतन-मनन

कैसे जानेंगे कि आप ताकतवर हैं या कमज़ोर

हमलोगों में एक बड़ी ही अजीब बात है अगर सामने वाला अपने से कमजोर दिखता है तो हम उसकी छोटी सी गलती पर भी भड़क उठते हैं और मार-पीट करने तक के लिए तैयार हो जाते हैं। इसके उलट अगर सामने वाला ताकतवर है तो उसकी बड़ी गलती पर भी खामोश रह जाते हैं। इसकी वजह है हमारी कमजोरी। हम अपनी कमजोरी को छुपाने के लिए ही कमजोर के सामने अपनी ताकत की नुमाईश करते हैं। तकतवर तो वह होता है जो अपनी शक्ति का प्रयोग कमजोर पर नहीं करता है।

इस संदर्भ में एक कथा उल्लेखनीय है। गुरू गोविंद सिंह जी का एक शिष्य था। एक बार वह गुरू जी के पास आकार बोला कि, आज मार्ग में एक दुबले-पतले व्यक्ति ने मेरा अपमान किया। इस पर मैंने उसकी खूब पिटाई की। गुरू जी ने कहा, यह तो तुमने बहुत ही गलत किया। कुछ दिनों बाद वही शिष्य गुरू जी के पास आया और बोला आज एक व्यक्ति ने फिर मेरा अपमान किया, लेकिन मैंने उसे कुछ नहीं कहा।

गुरू जी ने पूछा, वह व्यक्ति कैसा था। शिष्य ने जवाब दिया, काफी हट्टा-कट्टा और तंदुरूस्त था। गुरू गोविंद सिंह जी ने कहा कि, तुमने बहुत ही गलत किया जो उसे अपमान का उत्तर नहीं दिया। गुरू का उत्तर सुनकर शिष्य बड़ा हैरान हुआ और कहा कि, पिछली बार जब मैंने अपमान करने वाले की पिटाई की तब भी आपने मुझे गलत कहा था और इस बार जब मैंने अपमान का कोई उत्तर नहीं दिया तब भी आप मुझे गलत कह रहे हैं। आखिर मुझे करना क्या चाहिए? गुरू जी ने शिष्य को समझाया, पिछली बार तुमने एक कमजोर व्यक्ति की पिटाई की थी। इस बार तुम्हारा अपमान एक सबल व्यक्ति ने किया था। तकतवर व्यक्ति की पहचान यही है कि, वह कमजोर पर हाथ न उठाए और सबल व्यक्ति के द्वार किये गये अपमान को सहन न करे। इस बार तुमने एक सबल व्यक्ति द्वारा किये गये अपमान को सहन कर लिया है इसलिए मैंने तुम्हें गलत कहा है।

ईरानी नेताओं की शहादत अब करो या मरो?

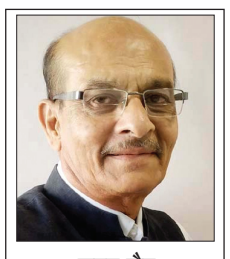

सनत जैन

रमजान के पवित्र महीने में जिस तरह से अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया इस हमले में सेकड़ो बच्चियों की मौत हो गई, ईरान के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित प्रथम पंक्ति के सैकड़ों नेताओं को मारकर जिस तरह से ईरान में तख्ता पलट कराने का जो प्रयास था वह पूरी तरह से विफल हो गया है। ईरान में मोसाद की उपस्थिति ने ईरान के नेताओं को मौत के घाट जरूर उतारा है, लेकिन इसकी प्रतिक्रिया अब दूसरे रूप में देखने को मिल रही है। ईरान में लोग एकजुट होकर इसका विरोध कर रहे हैं। पहली बार यह समझ आ रहा है, ईरान ने अपनी क्रीमी लेयर की जो सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था तैयार की थी इतनी बड़ी संख्या में महत्वपूर्ण व्यक्तियों की मौत हो जाने के बाद भी ईरान कहीं से भी कमजोर नहीं पड़ा है। उल्टे उसके ड्रोन और मिसाइलों ने जिस तरह से अमेरिका और इजरायल के सुरक्षा तंत्र को नुकसान पहुंचाया है इसकी कल्पना अमेरिका और इजरायल ने कभी नहीं की थी। ड्रोन और ईरान के मिसाइल इतने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकते हैं या इतनी बड़ी संख्या में ईरान के पास सैन्य हथियार तकनीकी के साथ उपलब्ध हो सकते हैं इसकी जरा भी जानकारी अमेरिका और इजरायल को होती तो वह ईरान के साथ इस तरह का पंगा नहीं लेते। ईरान ने प्रतिक्रिया स्वरूप पश्चिम एशिया के जिन देशों में अमेरिका के सैन्य अड्डे थे उन्हें नष्ट करने में सफलता हासिल की है। जहां-जहां अमेरिकी सैनिक और दूतावास से उनको नष्ट किया है जिसके कारण अमेरिका को अपने सभी दूतावास बंद करने पड़े। अमेरिकी नौसेना भी कोई कमाल नहीं दिखा सकी उल्टे उनके बड़े-बड़े जहाज पीछे हटने को विवश हुए। अब एक और सबसे बड़ी गलती अमेरिका और इजरायल ने की है। उसने ईरान के गैस एवं पेट्रोल के ठिकानों पर हमला किया है, जिसका जवाब अब ईरान ने देना शुरू कर दिया है। जिसके कारण यह युद्ध अब एक ऐसी दशा में बदल रहा है जिसकी आग में सारी दुनिया के देशों को झुलसना पड़ सकता है। अमेरिका के मित्र देश और नाटो संगठन ने इस युद्ध में उतरने से साफ इनकार कर दिया है। रूस, चीन और उत्तर कोरिया खुलकर ईरान के समर्थन में आकर खड़े हो गए हैं। ईरान अभी तक इस युद्ध में नैतिकता के साथ लड़ाई लड़ रहा था लेकिन अब इस लड़ाई में ईरान भी अपनी नैतिकता छोड़कर अब युद्ध जीतने की लड़ाई लड़ेगा, जिसके कारण यह युद्ध किस रूप में और कहां तक जाएगा इसको लेकर अब तरह-तरह की आशंकाएं सामने आने लगी हैं। दुनिया के सभी देश अपने-अपने क्षेत्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए इस युद्ध से दूर रहते हुए अपनी कूटनीतिक संबंधों को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर सारी दुनिया के देशों को अपने विरोध में खड़ा कर लिया है। जिस तरह से अमेरिका अपना साम्राज्यवाद सारी दुनिया में स्थापित करने का प्रयास कर रहा था उसकी सारी दुनिया के देश विरोध कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप बेहतर राजनेता साबित नहीं हो रहे हैं। उनकी इमेज सारी दुनिया में एक गुंडे के रूप में बन गई है, जिसका खामियाजा अब अमेरिका को भुगतना पड़ेगा। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इस युद्ध में अमेरिका को जहां आर्थिक रूप से भारी नुकसान हुआ है वहीं सारी दुनिया के देशों से जो संबंध खराब हुए हैं, अमेरिका की विश्वसनीयता खत्म हुई है, उसके दूरगामी परिणाम जल्द ही अमेरिका को भोगने पड सकते हैं। अमेरिका में तो यह चर्चा चल पड़ी है जिस तरह से एपस्टीन फाइल में उनका नाम आ रहा है। जिस तरीके से वह निर्णय ले रहे हैं इतना बड़ा युद्ध उन्होंने बिना कांग्रेस की अनुमति से छेड़ दिया। इसका खामियाजा सबसे पहले डोनाल्ड ट्रंप को ही भुगतना पड़ेगा। इस युद्ध में अमेरिका-इजरायल और ईरान तीनों ही बेलगाम हो चुके हैं। इस युद्ध के परिणाम क्या होंगे इसको लेकर कुछ भी कहना आज की तारीख में बहुत मुश्किल है। ऊर्जा संकट में सारी दुनिया को बड़े संकट में डाल दिया है वहीं आर्थिक मंदी की आशंका से पूरी दुनिया भयाक्रांत है।

बुलेट ट्रेन परियोजना को लगे पंख : गति,समन्वय और आधुनिक शहरी भारत की नई दिशा

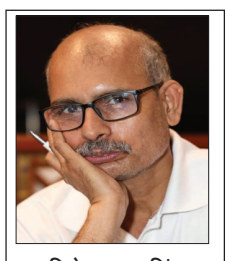

बिनोद कुमार सिंह,

भारत आज उस परिवर्तनशील युग के द्वार पर खड़ा है,जहाँ विकास की परिभाषा निरंतर विस्तार पा रही है।अब विकास केवल सड़कों,पुलों और इमारतों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह गति,तकनीकी दक्षता, समन्वित परिवहन और नागरिक सुविधा के व्यापक अनुभव में रूपांतरित हो चुका है।इस बदलती हुई विकास- व्यवस्था का सबसे सशक्त और सजीव प्रतीक यदि कोई है,तो वह देश की बहुप्रतीक्षित बुलेट ट्रेन परियोजना है,जिसने अब वास्तविक रूप से गति पकड़ ली है और जिसके ह्यपंख लगनेह्ल की अनुभूति देश के हर कोने में महसूस की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की दूरदर्शिता में यह परियोजना केवल एक हाई-स्पीड रेल सेवा नहीं,बल्कि भारत के शहरी और आर्थिक ढाँचे को पुनर्परिभाषित करने वाली एक क्रांतिकारी पहल बनती जा रही है। यह परियोजना उस भारत का निर्माण कर रही है जो समय की गति के साथ चलने के बजाय उसे नई दिशा देने की क्षमता रखता है।

बुलेट ट्रेन परियोजना का मूल उद्देश्य केवल तेज यात्रा उपलब्ध कराना नहीं है,बल्कि एक ऐसे समेकित परिवहन तंत्र का निर्माण करना है जो आधुनिक शहरी जीवन की आवश्यकताओं के अनुरूप हो। यही कारण है कि इस परियोजना में 'मल्टी-मॉडल इंटीग्रेशन' (टटक) को विशेष महत्व दिया गया है।यह अवधारणा भारतीय परिवहन व्यवस्था में एक मौलिक परिवर्तन का संकेत देती है।अब स्टेशन केवल ट्रेन पकड़ने या उतरने का स्थान नहीं रहेंगे,बल्कि वे एक ऐसे समन्वित केंद्र के रूप में विकसित होंगे जहाँ विभिन्न परिवहन साधन–बस,मेट्रो,टैक्सी,निजी वाहन-एक- दूसरे से सहज रूप से जुड़े होंगे।इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि यात्रियों को एक माध्यम से दूसरे माध्यम में जाने के लिए अनावश्यक समय और ऊर्जा खर्च नहीं करनी पड़ेगी।यह न केवल यात्रा को सरल बनाएगा,बल्कि शहरों में बढ़ती भीड़,ट्रैफिक जाम और अव्यवस्थित परिवहन की समस्या को भी काफी हद तक नियंत्रित करेगा।स्टेशन परिसरों का विकास जिस आधुनिक दृष्टिकोण से किया जा रहा है,वह भारत में शहरी नियोजन के नए युग की शुरूआत का संकेत है।चौड़े और सुरक्षित फुटपाथ,सुव्यवस्थित पिकअप एवं ड्रॉप- ऑफ जोन, पर्याप्त पार्किंग,डिजिटल साइन सिस्टम,आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और सीसीटीवी आधारित सुरक्षा तंत्र-ये सभी तत्व मिलकर एक ऐसा परिवेश तैयार कर रहे हैं जो न केवल सुरक्षित है,बल्कि यात्रियों के लिए अत्यंत सुविधाजनक और आकर्षक भी है।इसके साथ ही, पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए लैंडस्केपिंग,हरित क्षेत्र और वृक्षारोपण को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है।जो दर्शाता है कि यह परियोजना केवल आधुनिकता की ओर अग्रसर नहीं है,बल्कि सतत विकास के सिद्धांतों को भी समान रूप से अपनाती है।

यदि हम इस परियोजना की वर्तमान प्रगति पर दृष्टि डालें,तो स्पष्ट होता है कि यह केवल एक कल्पना नहीं,बल्कि तेजी से साकार होती हुई वास्तविकता है। सूरतबुलेट ट्रेन स्टेशन इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है,जहाँ स्टील संरचना और रूफ शीटिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है और अब फिनिशिंग कार्य तीव्र गति से चल रहा है।प्लेटफॉर्म और कॉन्कोर्स क्षेत्रों में आंतरिक सज्जा का कार्य यह संकेत देता है कि यह स्टेशन शीघ्र ही अपने अंतिम स्वरूप में दिखाई देगा।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में दी गई जानकारी में इस परियोजना की प्रगति को विस्तार से रखते हुए बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर पर कार्य अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है। 300 किलोमीटर से अधिक वायाडक्ट का निर्माण पूरा हो चुका है,जबकि पिलर निर्माण,ट्रैक बिछाने और स्टेशन विकास का कार्य लगातार जारी है।यह उपलब्धि न केवल इंजीनियरिंग क्षमता का परिचायक है,बल्कि भारत की कार्यान्वयन दक्षता को भी प्रदर्शित करती है।इस परियोजना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण पहलू है-भारत की पहली अंडरसी रेल सुरंग का निर्माण।यह सुरंग न केवल तकनीकी नवाचार का उदाहरण है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि भारत अब अत्याधुनिक इंजीनियरिंग परियोजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने की क्षमता रखता है।स्टेशन निर्माण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हो रही है।वापी, बिलिमोरा,सूरत और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (इङउ) जैसे प्रमुख स्टेशन तेजी से पूर्णता की ओर अग्रसर हैं।बिलिमोरा स्टेशन पर संरचनात्मक कार्य लगभग पूरा हो चुका है और अब इसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है।आनंद स्टेशन पर लिफ्ट और एस्केलेटर की स्थापना यह दशार्ती है कि यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।वडोदरा,भरूच और वापी जैसे स्टेशनों पर भी निर्माण कार्य विभिन्न चरणों में प्रगति पर है।यह समग्र विकास इस बात का प्रमाण है कि यह परियोजना केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है,बल्कि क्षेत्रीय संतुलन और व्यापक विकास को भी ध्यान में रखकर आगे बढ़ाई जा रही है।

केंद्रीय रेलमंत्री द्वारा संसद में दी जानकारी के अनुसार मुंबई उपनगरीय नेटवर्क को सुदृढ़ करने के लिए 238 नई ट्रेनों का निर्माण किया जा रहा है,जिनमें ऑटोमैटिक डोर क्लोजिंग सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधाएँ होंगी।इसके अतिरिक्त, यात्रियों को राहत देने के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जा रही है।सरकार ने उच्च तकनीकी परियोजनाओं के साथ-साथ आम नागरिकों की दैनिक यात्रा सुविधाओं को भी उतना ही महत्व दे रही है।बुलेट ट्रेन परियोजना का प्रभाव केवल परिवहन तक सीमित नहीं है,बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक विकास के नए द्वार भी खोल रही है।स्टेशन क्षेत्रों के आसपास व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि,नए रोजगार के अवसरों का सृजन और रियल एस्टेट के विकास जैसे कई सकारात्मक परिवर्तन इस परियोजना के प्रत्यक्ष परिणाम हैं।

इसके साथ ही,सीमावर्ती क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए नए रेल मार्गों के सर्वे भी किए जा रहे हैं। कच्छ क्षेत्र में देशलपार से हाजीपीर और वायोर से लखपत तक कनेक्टिविटी विकसित करने की योजना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है,जो राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी।आज के समय में जब महानगरों में ट्रैफिक जाम,प्रदूषण और अव्यवस्थित परिवहन जैसी समस्याएँ गंभीर चुनौती बन चुकी हैं, ऐसे में बुलेट ट्रेन परियोजना एक आशा की किरण के रूप में सामने आती है।यह न केवल यात्रा को तेज और सुरक्षित बनाएगी,बल्कि ईंधन की खपत को कम कर पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

जब विभिन्न परिवहन साधनों को एकीकृत किया जाता है,तो वह केवल सुविधा ही नहीं बढ़ाता, बल्कि शहरों के समग्र विकास को भी गति देता है।यही कारण है कि बुलेट ट्रेन परियोजना को केवल एक परिवहन परियोजना के रूप में नहीं देखा जा सकता,बल्कि यह एक व्यापक शहरी परिवर्तन का माध्यम है।अगर संक्षेप में कहा जाए तो बुलेट ट्रेन परियोजना आधुनिक भारत के सपनों का साकार रूप है।यह उस भारत की झलक प्रस्तुत करती है जो तेज व तकनीकी रूप से सक्षम और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील है।भविष्य में जब ये स्टेशन पूरी तरह विकसित होकर कार्य करने लगेंगे,तब वे केवल यात्रा के केंद्र नहीं,बल्कि आधुनिक जीवनशैली के प्रतीक बनकर उभरेंगे।वास्तव में,बुलेट ट्रेन आधुनिक भारत को गति देने के साथ-साथ शहरी विकास की एक नई दिशा भी निर्धारित कर रही है-एक ऐसी दिशा,जो भविष्य के भारत को वैश्विक मंच पर और अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील भारत में शुरू करेगी नई इस्पात परियोजना

अमरावती ।

आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया आंध्र प्रदेश में अपने प्रस्तावित एकीकृत इस्पात संयंत्र का काम अगले सप्ताह से शुरू करेगी। यह आर्सेलरमित्तल और निप्पॉन स्टील का संयुक्त उद्यम है। पहले चरण में कंपनी लगभग 70,000 करोड़ रुपए का निवेश कर विशाखापत्तनम के पास 82 लाख टन प्रति वर्ष क्षमता वाला संयंत्र स्थापित करेगी। आंध्र प्रदेश सरकार ने इस परियोजना के लिए लगभग 2,200 एकड़ भूमि आवंटित की है और त्वरित मंजूरी एवं अवसंरचना सहायता प्रदान की है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के अनुसार यह परियोजना राज्य और उद्योग के बीच मजबूत समन्वय को दर्शाती है। इससे भारत के पूर्वी और दक्षिणी बाजारों तक बेहतर सेवा देने में मदद मिलेगी। इस संयंत्र से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा, रोजगार सृजन और भारत की इस्पात आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

भारत के एविएशन सेक्टर पर दबाव, इंडिगो और स्पाइसजेट के शेयर लुढ़के

नई दिल्ली ।

साल 2026 की शुरुआत से इंडिगो (इंटरग्लोब एविएशन) का शेयर 15.2 फीसदी गिरा, जबकि स्पाइसजेट 55.14 फीसदी टूट गया। इसी दौरान सेंसेक्स में 10.7 फीसदी की गिरावट आई। विशेषज्ञों का कहना है कि अभी गिरावट रुकने के संकेत नहीं हैं। पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण कई उड़ानें रद्द या मार्ग बदलनी पड़ीं। इससे उड़ानों का समय और खर्च बढ़ा। साथ ही, एटीएफ की कीमतें 85 फीसदी तक बढ़ चुकी हैं, जो एयरलाइंस के कुल खर्च का 30-35 फीसदी हिस्सा हैं। कंपनियों ने अतिरिक्त ईंधन शुल्क लगाया, लेकिन लागत पूरी तरह कवर नहीं हो रही। डीजीसीए ने एयरलाइंस को 60 फीसदी सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क देने का आदेश दिया। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे सीट चयन से होने वाली आमदनी प्रभावित होगी और अगर नियम स्थायी हुआ, तो उद्योग को लंबी अवधि में नुकसान हो सकता है। छोटे निवेशकों को अभी दूर रहने की सलाह दे रहे हैं। वहीं लंबी अवधि के निवेशक गिरावट में खरीदारी पर विचार कर सकते हैं, लेकिन तेल की कीमतें और उद्योग की स्थिति प्रमुख जोखिम बने हुए हैं।

एचडीएफसी बैंक में अतनु चक्रवर्ती का इस्तीफा, केकी मिस्त्री बने अंतरिम चेयरमैन

नैतिक कारणों का हवाला; आरबीआई की मंजूरी से तीन महीने के लिए नई जिम्मेदारी

नई दिल्ली । अरुण चक्रवर्ती ने एचडीएफसी बैंक के पार्ट-टाइम चेयरमैन और स्वतंत्र निदेशक पद से तुरंत प्रभाव से इस्तीफा दे दिया। बैंक ने बुधवार देर रात शेयर बाजार को इसकी जानकारी दी। उनके स्थान पर केकी मिस्त्री को तीन महीने के लिए अंतरिम पार्ट-टाइम चेयरमैन नियुक्त किया गया है, जिसे रिजर्व बैंक आफ इं डिया की मंजूरी मिल चुकी है। इस्तीफे में चक्रवर्ती ने कहा कि पिछले दो वर्षों में बैंक के कुछ कामकाज उनके व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता से मेल नहीं खाते थे, इसलिए उन्होंने पद छोड़ने का निर्णय लिया। हालांकि, बैंक ने स्पष्ट किया कि इस्तीफे के पीछे कोई अन्य कारण नहीं है और उनके योगदान की सराहना की। चक्रवर्ती 1985 बैच के आईएएस अधिकारी रहे हैं और 2021 में चेयरमैन बने थे। यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब 2023 में एचडीएफसी लिमिटेड के विलय के बाद बैंक अपनी संरचना को मजबूत करने की प्रक्रिया में है।

ईरान युद्ध का असर- खाद संकट से भारतीय कृषि पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली ।

ईरान से जुड़े मौजूदा तनाव का असर अब वैश्विक खाद बाजार पर साफ दिखने लगा है, जिसका सीधा प्रभाव भारतीय कृषि पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार होर्मुज में शिपमेंट बाधित होने से सल्फर, यूरिया और फॉस्फेट जैसे प्रमुख रसायनों की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे खाद की कीमतों में तेजी आ रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक वैश्विक खाद व्यापार का 20 से 30 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में यदि स्थिति लंबी खिंचती है, तो सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। भारत के लिए चिंता इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि मार्च-अप्रैल के बीच खाद आयात का अहम समय होता है, जबकि मई से मक्का की बुवाई शुरू होती है, जो सबसे अधिक खाद पर निर्भर फसल है।

विशेषज्ञों का कहना है कि प्राकृतिक गैस की आपूर्ति घटने से नाइट्रोजन आधारित खादों के उत्पादन पर भी असर पड़ा है।

वहीं खाड़ी देशों सऊदी अरब, कतर, ओमान और बहरीन से होने वाले निर्यात में गिरावट से बाजार पर अतिरिक्त दबाव बना है। यदि यह संकट एक महीने से अधिक चलता है, तो भारत में खाद के उपयोग में कमी आ सकती है, जिससे फसल उत्पादन और पैदावार प्रभावित होने का खतरा है। इसके साथ ही अल नीनो जैसी मौसमी परिस्थितियां स्थिति को और गंभीर बना सकती हैं। हालांकि भारत रूस जैसे वैकल्पिक स्रोतों से आयात बढ़ाने की कोशिश कर सकता है, लेकिन लंबे समय तक सप्लाई गैप को भर पाना मुश्किल होगा।

ऐसे में खाद की बढ़ती कीमतें किसानों की लागत बढ़ाएंगी और मुनाफा घटा सकती हैं। विशेषज्ञों ने जैविक विकल्पों पर जोर देते हुए कहा है कि नाइट्रोजन फिक्सिंग माइक्रोब्स और बायो-स्टिमुलेंट्स के जरिए खाद पर निर्भरता कुछ हद तक कम की जा सकती है। फिलहाल वैश्विक हालात को देखते हुए भारतीय कृषि क्षेत्र के सामने नई चुनौतियां खड़ी होती नजर आ रही हैं।

एशियाई विकास बैंक पाकिस्तान को 10 अरब डॉलर का वित्तीय समर्थन देगा

इस्लामाबाद ।

मनीला स्थित एशियाई विकास बैंक (एडीबी) अगले पांच वर्षों में पाकिस्तान को लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर का वित्तीय समर्थन देने की योजना बना रहा है। यह सहायता 2026-30 देश साझेदारी रणनीति (सीपीएस 2026-30) का हिस्सा है, जिसे हाल ही में लॉन्च किया गया। नई सीपीएस का लक्ष्य पाकिस्तान में निजी क्षेत्र-नेतृत्व वाले विकास के माध्यम से टिकाऊ और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देना है। यह तीन प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित होगी- 1. निजी क्षेत्र का सशक्तिकरण- आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा। 2. समावेशन और सशक्तिकरण- गरीब और कमजोर वर्गों के लिए अवसर।

3. लचीलापन और स्थिरता- सामाजिक और आर्थिक प्रणालियों की मजबूती। रणनीति सुशासन, लैंगिक समानता, डिजिटल परिवर्तन और क्षेत्रीय सहयोग जैसे समग्र पहलुओं से मजबूत होगी। एडीबी की पाकिस्तान कंट्री डायरेक्टर ने कहा कि यह योजना संरचनात्मक चुनौतियों को हल करने और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार की गई है।

मार्च में लौटी बिजली की चमक, पावर सेक्टर में फिर बढ़ी रफ्तार

1 से 17 मार्च के बीच बिजली की मांग में 3.4 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई

नई दिल्ली । देश के पावर सेक्टर में मार्च के साथ ही नई ऊर्जा लौटती दिख रही है। फरवरी में जहां बिजली की मांग कमजोर रही, वहीं मार्च में तापमान बढ़ते ही खपत तेजी से बढ़ने लगी है। एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग की रिपोर्ट के अनुसार, 1 से 17 मार्च के बीच बिजली की मांग में 3.4 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है और पूरे महीने में यह करीब 154 अरब यूनिट तक पहुंच सकती है। फरवरी 2026 में बिजली की मांग सिर्फ 1.5 प्रतिशत बढ़कर 133 अरब यूनिट रही, जो उम्मीद से कम थी। इसकी बड़ी वजह असामान्य बारिश रही, जिसने बिजली की खपत को प्रभावित किया। हालांकि, उस दौरान पीक डिमांड 244 गीगावॉट रही और कहीं भी बिजली की कमी नहीं देखी गई। देश में बिजली उत्पादन फरवरी में 1.3 प्रतिशत बढ़कर 143 अरब यूनिट रहा। पावर प्लांट्स के पास लगभग 59 मिलियन टन कोयला मौजूद है, जो करीब 19 दिनों की जरूरत के लिए पर्याप्त है। इससे साफ है कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए सिस्टम फिलहाल मजबूत स्थिति में है। फरवरी में जहां बिजली की कीमतें गिरकर 3.58 रुपये प्रति यूनिट पर थीं, वहीं मार्च में यह बढ़कर 4.55 रुपये प्रति यूनिट तक पहुंच गई हैं। यह संकेत है कि बाजार में मांग तेजी से लौट रही है और शॉर्ट टर्म बिजली बाजार में गतिविधि बढ़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक, आने वाले समय में पावर सेक्टर में मजबूती बनी रह सकती है। ब्रोकरेज ने जेएसडब्ल्यू इनर्जी और अडाणी पावर को प्रमुख पसंद बताया है, जिनमें आगे अच्छी ग्रोथ की संभावना जताई गई है।

शेयर बाजार में हाहाकार , सेंसेक्स 2496 अंक टूटा, निफ्टी में भी 775 अंकों की गिरावट

एक ही दिन में निवेशकों के 12 लाख करोड़ डूबे

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट रही। इससे लगातार तीन करोबारी सत्र मे जो लाभ हुआ था उससे कई गुना अधिक नुकसाना हो गया । बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और इजरायल के ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र और इसकी प्रतिक्रिया में ईरान के कतर के सबसे बड़े गैस प्लांट पर हमले के बाद से ही निवेशकों में घबराहट का माहौल है। इन सभी गैस क्षेत्रों को होने वाले नुकसान से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आना तय है। इसके अलावा घरेलू बाजार में एचडीएफसी बैंक के शेयरों में आई गिरावट ने भी बाजार पर दबावा पड़ा है।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 2496.89 अंक टूटकर 74,207.24 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी-50 भी 775.65 फिसलकर 23,002 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार आज हर क्षेत्र में बिकवाली हावी रही। इससे बाजार की कमजोरी का अंदाज होता है। आज वाहन, संपत्ति और वित्तीय शेयर सबसे ज्यादा गिरे। व्यापक बाजार में भी भारी गिरावट आई, जहां मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक करीब 3-3 फीसदी गिरे। ।

क्रूड (कच्चे) तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से भी बाजार पर दबाव आया है। क्रूड की कीमतें 119 डॉलर के करीब पहुंच गई, जिससे नकारात्मक माहौल और गहरा गया। इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार गिरा है। रुपये की कमजोरी और महंगाई व आर्थिक वृद्धि को लेकर बढ़ती चिंताओं ने भी बाजार धारणा कमजोर हुई है।÷सेंसेक्स की सभी कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। सबसे ज्यादा गिरावट बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, बनज फिनसर्व, ट्रेंट लिमिटेड और एक्सिस बैंक में आई। वहीं, सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार के ब्रोडर इंडेक्स में भारी गिरावट देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 3.19 फीसदीद और स्मॉलकैप 100 2.94 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

बाजार में गिरावट के ये रहे कारण

मध्य पूव बढ़ते तनाव से तेल की कीमतों में लगभग 3 फीसदी की बढ़त हुई जिससे बाजार नीचे टूटने लगा। गैस क्षेत्र पर हमले से निवेशकों में डर का माहौर है। अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान भी तेल और गैस संयंतों पर हमले कर रहा है।

ब्रेंट क्रूड के फ्यूचर्स 3.69 डॉलर या 3.44 फीसदी बढ़कर 111.07 डॉलर हो गए। जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 2.29 डॉलर या 2.38 फीसदी बढ़कर 98.61 डॉलर पर पहुंच गया। युद्ध को लेकर अनिश्चितता बढ़ने से भी निवेशक बाजार से दूर हुए है। रिफाइनरियों पर हमले के बाद ब्रेंट क्रूड अब 111 डॉलर पर पहुंच गया है।

शेयर बाजार में निवेशकों के लिए खरीदारी का मौका, कुछ स्टॉक्स में तेजी के संकेत

975, 1205 और 500 रुपए के टारगेट वाले 3 शेयर

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में हालिया उतार-चढ़ाव के बीच विश्लेषक कुछ चुनिंदा स्टॉक्स में निवेश का अवसर देख रहे हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार कुछ स्टॉक्स में अब तेजी के स्पष्ट संकेत दिखाई दे रहे हैं और निवेशक इन्हें अपने पोर्टफोलियो में शामिल कर सकते हैं। विशेषज्ञ के अनुसार प्रीमियर एनर्जीज अब तेजी की ओर बढ़ता दिख रहा है। स्टॉक ने 720-750 रुपए के स्तर पर मजबूत सहारा लिया और वहां से अच्छी रिकवरी की है। चार्ट पर ऊपर की ओर रुख स्पष्ट दिखाई दे रहा है और खरीदारी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। विश्लेषक का सुझाव है कि इसे लगभग 870 रुपए के स्तर पर खरीदा जा सकता है। जोखिम प्रबंधन के लिए स्टॉप लॉस 815 रुपए पर रखना उचित रहेगा, जबकि टारगेट प्राइस 975 रुपए निर्धारित किया गया है। एथर इंडस्ट्रीज में भी तेजी की संभावनाएँ मजबूत हैं। स्टॉक ने नीचे जाती ट्रेंड लाइन को तोड़ते हुए ऊपर की ओर ब्रेकआउट किया, जो रुझान बदलने का संकेत है। इसके साथ ही वॉल्यूम में बढ़ोतरी देखने को मिली है, जो खरीदारी की ताकत को दर्शाती है। एक्सपर्ट के मुताबिक, इसे 1075 रुपए के आसपास खरीदा जा सकता है। स्टॉप लॉस 1000 पर रखें और टारगेट 1205 रुपए रखा गया है। पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन ने 340-350 रुपए के स्तर से उछलकर ऊपर की ओर बढ़त बनाई है और धीरे-धीरे मजबूती हासिल कर रहा है। हाल ही में 420 रुपए के आसपास ब्रेकआउट हुआ, जिससे नए खरीदार बाजार में आए हैं। विश्लेषक की सलाह है कि इसे 433 रुपए के स्तर पर खरीदा जा सकता है। स्टॉप लॉस 408 रुपए पर सेट करें और टारगेट प्राइस 500 रुपए रखा गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन स्टॉक्स में तकनीकी मजबूती के संकेत हैं, लेकिन निवेशक स्टॉप लॉस का पालन करते हुए ही निवेश करें। बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच इस तरह के अवसर निवेशकों के लिए लाभकारी साबित हो सकते हैं।

मिडिल ईस्ट तनाव से तेल की कीमतें 100 डॉलर के पार

मुंबई ।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते सैन्य संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को हिला दिया है। ईरान ने रास लफान इंडस्ट्रीज सिटी कतर पर मिसाइल हमला किया, जबकि इजराइल ने साउथ पेअर गैस फील्ड ईरान को निशाना बनाया। ये क्षेत्र दुनिया के प्रमुख एलएनजी और गैस उत्पादन केंद्र हैं। इन हमलों से स्ट्रेअ आफ होर्मुज में सप्लाई बाधित होने का खतरा बढ़ गया है, जिससे तेल और गैस की कीमतों में तेज उछाल आया है। ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर पार कर 111 डॉलर प्रे ति बैरल के करीब कारोबार कर रहा है।

प्रूडेंशियल भारत में आईसीआईसीआई लाइफ से निकलेगा बाहर

नई दिल्ली ।

ब्रिटेन की प्रूडेंशियल पीएलसी की पूरी स्वामित्व वाली सहायक कंपनी प्रूडेंशियल कॉरपोरेशन होल्डिंग्स भारत में अपने जीवन बीमा संयुक्त उपक्रम आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस से बाहर निकलने पर विचार कर रही है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस में प्रूडेंशियल की हिस्सेदारी 21.93 फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक की 50.95 फीसदी है। कंपनी का बाजार पूंजीकरण लगभग 85,393 करोड़ रुपए है। सूत्रों के अनुसार प्रूडेंशियल भारती एएक्सए लाइफ इंश्योरेंस में हिस्सेदारी खरीदने के विकल्प पर भी बातचीत कर रहा है। इसके लावा कुछ अन्य विदेशी बीमाकर्ता भी भारती एक्सा लाइफ में निवेश की संभावना तलाश रहे हैं। प्रूडेंशियल ने 2000 के दशक की शुरुआत में भारतीय बीमा बाजार में शुरुआती निवेश किया था और पिछले 25 वर्षों से इस क्षेत्र को बारीकी से समझता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल जीवन बीमा निजी क्षेत्र में तीसरी सबसे बड़ी कंपनी है, एसबीआई लाइफ और एचडीएफसी लाइफ के बाद।

नए व्यवसाय प्रीमियम में वित्त वर्ष 25 में इसकी बाजार हिस्सेदारी 5.7 फीसदी थी, जो वित्त वर्ष 24 की 4.8 फीसदी से बढ़ी है। चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों में कंपनी ने

19,228.63 करोड़ का प्रीमियम एकत्र किया, जो पिछले साल की समान अवधि से 2.42 फीसदी अधिक है।

100 फीसदी एफडीआई की अनुमति से भारतीय बीमा बाजार में वैश्विक कंपनियों के लिए नए अवसर खुल सकते हैं। प्रूडेंशियल ने नवीन तहिलयानी को क्षेत्रीय सीईओ नियुक्त किया है, जो भारत, अफ्रीका, फिलीपींस और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में कंपनी के कारोबार की देखरेख करते हैं। कंपनी ने कहा कि वह बाजार की अफवाहों पर टिप्पणी नहीं करती है।

केंद्र सरकार ने राज्यों को पीएनजी नेटवर्क विस्तार के लिए प्रोत्साहित किया

10 फीसदी अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी का प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि यदि वे अपने क्षेत्र में पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) नेटवर्क का विस्तार करेंगे, तो उन्हें 10 फीसदी अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी आवंटित की जाएगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने इस योजना की जानकारी दी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। भारत अपनी घरेलू एलपीजी खपत का लगभग 60 फीसदी आयात करता है, जिसमें से करीब 90 फीसदी आपूर्ति पश्चिम एशिया से होती है। सरकार ने कहा कि जो राज्य शहरी गैस वितरण समितियों की स्थापना करेंगे, लंबित और नई अनुमतियों को समय पर निपटाएंगे, उन्हें 1-2 फीसदी अतिरिक्त गैस का लाभ मिलेगा। राज्यों को निर्देश हैं कि वे लंबित आवेदनों के लिए डीम्ड अनुमतियां जारी करें, नई अनुमतियों को 24 घंटे में मंजूरी दें, सड़क नेटवर्क बिछाएं, शुल्क माफ करें और समन्वय के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करें। इन कदमों से शहरी गैस वितरण नेटवर्क का विस्तार तेज होगा। सरकार का उद्देश्य घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए पीएनजी कनेक्शन बढ़ाना और एलपीजी पर विदेशी निर्भरता कम करना है। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और देश में गैस वितरण सुधारने में मदद करेगा। इसी बीच भारत ईरान के साथ समन्वय कर होर्मुज स्ट्रेट में फंसे टैंकरों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि एलएनजी का 1 टैंकर, एलपीजी के 6 टैंकर और कच्चे तेल के 4 पोत फंसे हुए हैं। युद्ध के बाद कुछ टैंकर रूस से कच्चा तेल लेकर भारत की ओर मोड़ दिए गए हैं।

फेडरल रिजर्व ने ब्याज दर 3.5-3.75 फीसदी के दायरे में बरकरार रखा

2026 में केवल एक बार लगभग 0.25 प्रतिशत की दर कटौती कर सकता है

नई दिल्ली ।

वैश्विक तनाव और तेल कीमतों के बीच केवल एक बार दर कटौती का संकेत

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अपनी दो दिवसीय नीति बैठक के बाद ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करते हुए उन्हें 3.5-3.75 फीसदी के दायरे में बरकरार रखा है। फेड ने संकेत दिया कि वह 2026 में केवल एक बार, लगभग 0.25 प्रतिशत की दर कटौती कर सकता है, हालांकि इसकी समयसीमा स्पष्ट नहीं की गई है। फेड के ताजा अनुमानों के अनुसार, साल के अंत तक महंगाई 2.7 फीसदी तक रह सकती है, जो पहले के 2.4 फीसदी के अनुमान से अधिक है। महंगाई में इस संभावित बढ़ोतरी की एक प्रमुख वजह वैश्विक तेल कीमतों में उछाल मानी जा रही है, जो इरान-इजरायल तनाव के कारण बढ़ी हैं। वहीं बेरोजगारी दर को फिलहाल स्थिर रहने का अनुमान है। फेड प्रमुख जेरोम पावेल ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों के चलते आर्थिक अनिश्चितता बनी हुई है। उन्होंने माना कि ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई पर असर पड़ेगा, लेकिन यह प्रभाव कितना गहरा और लंबा होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने यह भी दोहराया कि आगे के फैसले आने वाले आर्थिक आंकड़ों और जोखिमों को ध्यान में रखकर लिए जाएंगे। फैसले के बाद अमेरिकी बाजारों में सीमित गिरावट देखी गई। एसएंडपी 500 करीब 0.6 फीसदी और नेस्डेक कम्पो जिट लगभग 0.5 फीसदी नीचे बंद हुए। डॉलर में हल्की मजबूती रही, जबकि 10 वर्षीय बॉन्ड यील्ड 4.21 फीसदी तक पहुंच गई।

पश्चिम एशिया में तनाव से भारतीय उद्योगों पर दबाव

खतरे में 800 छोटी कंपनियां, यूएई में फंसे 12,000 करोड़

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब भारत की कंपनियों पर साफ दिखाई दे रहा है। पिछले छह महीनों में लगभग 800 भारतीय एसएमइस ने यूएई में करीब 12,000 करोड़ रुपए (1.3 अरब डॉलर)* का निवेश किया, लेकिन यूएस-इरान तनाव के कारण रिटेल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि खाड़ी क्षेत्र की अस्थिरता से एमएसएमई कंपनियों के लिए जोखिम बढ़ गया है। आपूर्ति बाधित होने और लॉजिस्टिक खर्च बढ़ने से उत्पादन प्रभावित हुआ है। देश में लगभग 50 फीसदी इकाइयों ने उत्पादन बंद कर दिया। पीपी, एचडीपीई, पीवीसी, पेट रेजिन जैसी पेट्रोकेमिकल्स की कीमतों में 78 फीसदी तक की वृद्धि हुई। उत्पादन क्षमता भी घटकर 100 टन प्रति माह से 20 टन तक सीमित हो गई है। ड्राई फ्रूट की आपूर्ति में बाधा के कारण बादाम, अंजीर, पाइन नट्स और खजूर की कीमतें 20-50 फीसदी बढ़ी हैं। पेट्रोकेमिकल्स से जुड़े कच्चे माल (नैफ्था, स्टाइरीन, पॉलीइथिलीन) की कमी के कारण फार्मा उद्योग पर भी

असर पड़ा है। कई दवाओं के एक्टिव कंपोनेंट इन कच्चे माल पर निर्भर हैं, जिससे भारत और चाइना जैसे फार्मा हब भी प्रभावित हो सकते हैं।

अहमदाबाद में खुलने जा रही सचिन तेंदुलकर की वर्ल्ड-क्लास स्पोर्ट्स एकेडमी

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में जमीनी स्तर के खेलों के विकास में एक बड़ा बदलाव आने वाला है। सचिन तेंडुलकर द्वारा समर्थित SRT10 अल्टेवोल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी शुरू होने जा रही है जो एक हाई-परफॉरमेंस ट्रेनिंग सेंटर है। 10 अप्रैल से शुरू होने वाली इस एकेडमी का लक्ष्य 5 साल और उससे अधिक उम्र के उभरते खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय क्रिकेट ट्रेनिंग उपलब्ध कराना है। हालांकि इसके लॉन्च की योजना पिछले साल ही बना ली गई थी, लेकिन अब यह एकेडमी तकनीक, फिटनेस और भविष्य की तैयारी पर केंद्रित ट्रेनिंग मॉड्यूल के साथ अपना कामकाज शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

यह विशाल 40,000 स्क्वायर यार्ड का स्पोर्ट्स कैंपस खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए एक संपूर्ण इकोसिस्टम के रूप में तैयार किया गया है। यहां व्यवस्थित कोचिंग प्रोग्राम के साथ-साथ विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधाएं मौजूद हैं, जिनमें प्रोफेशनल क्रिकेट नेट्स, मैच के लिए तैयार अपना निजी मैदान, हाई-परफॉरमेंस जिम और एक रनिंग ट्रैक शामिल है-ये ऐसी सुविधाएं हैं जो आमतौर पर केवल एलीट ट्रेनिंग सेंटर्स में ही देखने को मिलती हैं। अहमदाबाद में इसकी शुरुआत स्त्र्रञ्10 के उस मजबूत आधार पर टिकी है, जिसकी पहचान नवी मुंबई के डी.वाई. पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में बनी इसकी मुख्य एसआरटी10 ग्लोबल एकेडमी से है।

यह सेंटर पहले से ही खेल ट्रेनिंग के लिए एक बेहतरीन जगह बन चुका है। यहाँ इंटरनेशनल लेवल की सुविधाओं और एक खास ट्रेनिंग कोर्स का मेल है, जिसका मकसद न केवल अच्छे खिलाड़ी तैयार करना है, बल्कि बच्चों का हर तरह से विकास करना भी है। यह विस्तार एसआरटी10 की उस बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसके तहत प्रोफेशनल स्पोर्ट्स ट्रेनिंग को बड़े महानगरों से बाहर ले जाया जा रहा है। इसका मकसद भारत को खेलों की दुनिया में एक मजबूत देश बनाना है। यह नया सेंटर न केवल अहमदाबाद के युवाओं को, बल्कि आस-पास के इलाकों के उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी आकर्षित करेगा जो अच्छी और व्यवस्थित ट्रेनिंग की तलाश में हैं।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य बेहतरीन ट्रेनिंग सिस्टम के ज़रिए युवा प्रतिभाओं को निखारना और उन्हें आगे बढ़ने के मौके देना है। एकेडमी का ट्रेनिंग प्रोग्राम सिर्फ खेल की तकनीक पर ही नहीं, बल्कि अनुशासन, मैच की समझ, फिटनेस और मानसिक मज़बूती पर भी ध्यान देता है। टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी और फस्ट-क्लास क्रिकेटर्स इन युवा खिलाड़ियों को रास्ता दिखाएंगे। यहाँ के कोचों को खास तौर पर एसआरटी10 के तरीके से ट्रेनिंग दी गई है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की कोचिंग दे सकें। इस पूरे प्रोग्राम की कमान डॉ. अतुल गायकवाड़ (ग्लोबल हेड कोच, SRT10) के हाथों में है, जिन्हें क्रिकेट की हाई-परफॉरमेंस ट्रेनिंग का गहरा अनुभव है।

इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए डॉ. गायकवाड़ ने कहा, 'सचिन सर के सफर से प्रेरित होकर, हम यहां सिर्फ एक कोचिंग सेंटर नहीं, बल्कि एक गंभीर ट्रेनिंग का माहौल तैयार कर रहे हैं। हमारा पूरा ध्यान इस बात पर है कि बच्चे शुरुआत से ही बुनियादी चीज़ों को सही से सीखें, उन्हें मैच की असली स्थितियों का अनुभव मिले और वे खेल को सिर्फ खेलें नहीं, बल्कि उसकी बारीकियों को समझें। समय के साथ, यही व्यवस्थित और निरंतर ट्रेनिंग ही एक साधारण खिलाड़ी और एक मंझे हुए खिलाड़ी के बीच का अंतर तय करती है। हमारा लक्ष्य अहमदाबाद के युवा खिलाड़ियों को पहले दिन से ही वह बढ़त दिलाना है।'

अहमदाबाद की यह एकेडमी बच्चों और खेल प्रेमियों के लिए इसी गहरे दृष्टिकोण को शहर और उसके बाहर तक फैलाती है। इसमें शामिल होने के लिए पहले से किसी अनुभव की जरूरत नहीं है; यह प्रोग्राम पूरी तरह से तकनीक, फिटनेस मैच की समझ और मानसिक मजबूती पर ध्यान केंद्रित करता है।

गंभीर ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील कर एआई और डीप फेक से सुरक्षा देने मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर एआई और डीप फेक के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की है। गंभीर का कहना है कि एआई के जरिये उनकी आवाज और चेहरे के गलत इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने अदालत से इसको लेकर सुरक्षा की मांग की गई है। गंभीर की याचिका में कहा गया है कि इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब, और फेसबुक पर उनको लेकर नकली डिजिटल कंटेंट तेजी से बढ़ा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस-स्वैपिंग और वॉइस-क्लोनिंग तकनीक का इस्तेमाल कर उन्हें ऐसे बयान देते हुए गलत तरीके से दिखाया गया जो उन्होंने कभी दिए ही नहीं थे। इसमें एक बार तो उनके इस्तीफ की घोषणा भी दिखायी गयी थी जबकि उन्होंने दिया ही नहीं। इसे 29 लाख से ज्यादा बार देखा गया। वहीं एक नकली क्लिप में उन्हें सीनियर क्रिकेटरों के विश्व कप में हिस्सा लेने के बारे में टिप्पणी करते हुए दिखाया गया था, इसे 17 लाख से ज्यादा बार देखा गया। सोशल मीडिया के अलावा, बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म बिना किसी इजाजत के उनके नाम और तस्वीर वाले पोस्टर की मदद से सामान बेच रहे हैं। गंभीर ने कहा, मेरी पहचान, मेरा नाम, मेरा चेहरा, मेरी आवाज को गुमनाम अकाउंट्स ने गलत जानकारी फैलाने और पैसा कमाने के लिए हथियार बनाया है।

यह मुकदमा 16 डिफेंडेंट के खिलाफ दायर किया गया है। इसमें कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स जैसे जैनकी फ्रेम्स, भूपेंद्र पेंटोला, लीजेंड्स रेवोल्यूशन, आदि शामिल हैं। इसके अलावा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में ऐमेजॉन और फ्लिपकार्ट का नाम है। वहीं टेक कंपनियों में मेटा प्लेटफॉर्म, एक्स, गूगल, यूट्यूब, आदि के नाम शामिल हैं। गंभीर ने 2.5 करोड़ हर्जाना, सभी अकाउंट्स को हटाने, परमानेंट रोक लगाने और सभी उल्लंघन करने वाले कंटेंट को हटाने की मांग की है। उन्होंने भविष्य में अपना नाम, चेहरा और आवाज का इस्तेमाल नहीं किए जाने की मांग की भी की है। इस मामले में उन्होंने कोर्ट से आरोपियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के लिए पेश की नई जर्सी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के 19 सत्र से पहले अपनी नई जर्सी लांच की है। इस दौरान कप्तान रियान पराग, आक्रामक सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और स्पिनर रवि बिश्नोई भी उपस्थित थे। आईपीएल में इस नई जर्सी से टीम नये उत्साह से उतरेगी। 28 मार्च से शुरू हो रहे इस सत्र के लिए टीम नये कप्तान पराग के साथ जीत के इरादे से उतरेगी। राजस्थान ने सोशल मीडिया पर अपनी जर्सी लॉन्च किसे जाने की घोषणा भी की है। इस नई जर्सी में नीले और गुलाबी रंग को मिलाया गया है। जर्सी की तस्वीरों के साथ ही रॉयल्स ने लिखा, 'नया लुक, वही हल्ला बोल जर्सी, लॉन्च हो गई।' रॉयल्स 30 मार्च को पांच बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। रॉयल्स अपने शुरुआती तीन घरेलू मैच अपने वैकल्पिक मैदान गुवाहाटी में खेलेगी। बीसीसीआई टूर्नामेंट के शेष मुकाबलों का कार्यक्रम भी जारी करेगी।

वैभव राजस्थान रॉयल्स की नई जर्सी की लॉन्चिंग के समय पराग के साथ नजर आये।

उसे अपना पहलो मैच चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलना है। इसके बाद टीम 4 अप्रैल को गुजरात टाइटंस से खेलेगी। इसके बाद राजस्थान रॉयल्स की टीम गुवाहाटी 7 अप्रैल को पांच बार के विजेता मुंबई इंडियंस और 10 अप्रैल को मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलेगी। राजस्थान रॉयल्स के शुरुआती चार में से तीन मैच घरेलू मैदान पर हैं। ऐसे में राजस्थान रॉयल्स शुरुआती बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। पिछले सत्र में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और वह 9वें पायदान पर रही थी।

मुख्य चयनकर्ता अगरकर ने बीसीसीआई से कार्यकाल बढ़ाने की मांग की

–2027 तक पद पर बने रहना चाहते हैं

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर साल 2027 तक अपने पद पर बने रहना चाहते हैं। अगरकर ने इसी को लेकर बोर्ड से कार्यकाल बढ़ाने की मांग की है। एक रिपोर्ट के अनुसार अगरकर ने टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद ही बीसीसीआई से मुख्य चयनकर्ता के रूप में अपना कार्यकाल बढ़ाने की मांग की थी। अगरकर 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक इस पद पर बने रहना चाहते हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अगरकर के अनुरोध पर विचार कर रहा है। वहीं मुख्य चयनकर्ता के रूप में अगरकर की जगह लेने के लिए एक पूर्व भारतीय क्रिकेटर का नाम भी उछला है हालांकि इसपर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है।

अगरकर जून 2023 में चयन समिति के प्रमुख बने थे। इसके बाद उनका कार्यकाल जून 2026 तक बढ़ा दिया गया है। मुख्य चयनकर्ता के रूप में अगरकर का कार्यकाल काफी अच्छा रहा है। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने दो टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता है। इसके अलावा साल 2023 और 2025 का एशिया कप भी भारतीय टीम ने जीता था। टेस्ट में हालांकि भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहो। टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के फाइनल में जगह नहीं बना पायी। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में टीम को करारी हार मिली।

अगरकर के मुख्य चयनकर्ता रहते भारतीय टीम ने सीमित ओवरों की क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है, इससे भी उनका कार्यकाल आगे बढ़ाने जाने की संभावना बढ़ गयी है।

अगले साल 29 अक्टूबर से शुरू होंगे राष्ट्रमंडल युवा खेल

नई दिल्ली । राष्ट्रमंडल युवा खेलों का आठवां चरण अगले साल 29 अक्टूबर से चार नवंबर तक माल्टा और गोजो में आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह 29 अक्टूबर को होगा जिसके बाद 30 अक्टूबर से चार नवंबर तक स्पर्धायें होंगी। इन खेलों में आठ स्पर्धाएं तैराकी और पैरा तैराकी, एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, नेटबॉल, सेलिंग, स्क्वाश, ट्रायथलॉन, वॉटर पोलो और भारोत्तोलन शामिल हें। राष्ट्रमंडल खेलों की मुख्य कार्यकारी केटी सैडलियर ने बृहस्पतिवार को एक विज्ञप्ति में कहा, 'माल्टा 2027 एक रोमांचक और प्रतिस्पर्धी माहौल का वादा करता है। विश्व स्तर की सुविधाएं हमारे युवा खिलाड़ियों को अच्छा अनुभव देंगी जिससे कल के सितारों को प्रेरित करने और उन्हें विकसित करने में मदद मिलेगी।'

पंड्या ने खरीदी नई फरारी , गर्लफ्रेंड माहिका आरती उतारती दिखीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतयीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने नई फरारी कार खरीदी है। इसी की आरती उतारते हुए उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा नजर आयी हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर छाए हुआ है। ये नई कार फरारी 12 सिलिड्री है। इसमें वह माहिका के साथ घूमते भी दिखे थे। सोशल मीडिया पर आये वीडियो में माहिकाको नई कार की पारंपरिक पूजा करते हुए देखा गया। इस दौरान एक पुजारी भी वहां था। इसका एक वीडियो भी पंड्या ने साझा किया है। इसमें हार्दिक कार के अंदर से वीडियो बनाते दिखे, जबकि माहिका पूजा करती दिखीं। माहिका ने इस नई कार की पूजा करते हुए कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। हार्दिक विलासिता पूर्ण जीवनशैली लिए जाने जाते हैं। महंगी घड़ियां और गाड़ियां उन्हें बेहद पसंद है। उन्होंने टी20 विश्व कप जीतने के बाद Ferrari की सबसे नई फ्रंट-इंजन वी12 ग्रैंड टूरर, फरारी को खरीदा। ये मॉडल हाल ही में भारत में हाल ही में लांच किया गया था। इसकी कीमत करीब 8.50 करोड़ रुपये से शुरु होती है।

आईपीएल में अभिषेक बना सकते हैं कई रिकार्ड

नई दिल्ली। युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है और इसी दिन अभिषेक सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से अपने पहले मुकाबले में उतरेंगे। अभिषेक इस बार चार छक्के लगाते ही अपने छक्कों का शतक पूरा कर सकते हैं। उनके नाक अब तक 96 छक्के हैं। चार छक्के और लगाते ही वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। अब तक केवल डेविड वॉर्नर के नाम ही आईपीएल में 100 छक्के हैं। वार्नर ने कुल 143 छक्के लगाये हैं। वहीं हेनरिक क्लासेन 88 छक्के के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं। वहीं अभिषेक के पास इस सत्र में अपने 2000 रन पूरे करने का भी अवसर है। अभिषेक ने अब तक 77 आईपीएल मैचों की 73 पारियों में 1816 रन बनाये हैं। ऐसे में वह 184 रन बनाते है वह इस टूर्नामेंट में 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हो जाएंगे। अभिषेक ने सनराइजर्स के लिए अब तक 1753 रन बनाए हैं। वह 2,000 रन करते ही सनराइजर्स के लिए ये उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज़ बन जाएंगे। इससे पहले डेविड वॉर्नर ने 4014, शिखर धवन ने 2768) और केन विलियमसन ने 2101 रन बनाये हैं। अभिषेक ने पिछले दो सत्र में हर बार 400 रन बनाये हैं। आईपीएल 2024 में उन्होंने 204.21 के स्ट्राइक रेट से 484 रन, वहीं, पिछले सत्र में 193.39 के स्ट्राइक रेट से 439 रन बनाए थे। ये भी एक रिकार्ड है क्योंकि अबतक किसी भी अन्य बल्लेबाज ने 190 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 400 से अधिक रन नहीं बनाये हैं। अभिषेक आईपीएल इस बार भी 400 से अधिक रन बनाने में सफल रहे तो ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बन सकते हैं। अभिषेक ने पिछले सत्र में पंजाब किंग्स के खिलाफ केवल 55 गेंदों में 141 रन बनाए थे। ये इस लीग में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे अधिक स्कोर है। वहीं टी20 क्रिकेट में ये चौथी बार है जब उन्होंने 135 से अधिक रन बनाये हैं। उनके अलावा उपलब्धिक केवल क्रिस गेल के पास है गेल ने भी इतने ही बार 135 से धिक रन बनाये हैं।

विश्व कप की तैयारियों पर फुल्टन ने कहा, विस्तृत रणनीति के साथ तैयार रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने इस साल के आखिर में होने वाले विश्व कप में कड़े प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ विशेष और विस्तृत रणनीति तैयार करने की बात कही। उन्होंने साथ ही मौजूदा समय में संघर्ष कर रही टीम का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वे सही समय पर अच्छी फॉर्म में आ जाएंगे।

भारत ने इस सत्र में अब तक सिर्फ एक मैच जीता है जो होबार्ट में खेला गया एफआईएच प्रो लीग मैच था जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की थी। नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 अगस्त से शुरू होने वाले विश्व कप के पूल डी में भारत का सामना शीर्ष वरीय इंग्लैंड, अपने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान और मजबूत वेल्स से होगा। ग्रुप चरण के सभी मैच नीदरलैंड के एमस्टेलवीन में स्थित वैगेनर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति में फुल्टन के हवाले से कहा गया, 'हम अपनी रणनीति, दबाव बनाने की रणनीति और अपनी 'फिनिशिंग' (गोल करने की क्षमता) पर कड़ी मेहनत करेंगे। ये वे छोटी-छोटी बातें हैं जो इस स्तर पर मैचों का नतीजा तय करती हैं। इस पूल में शामिल हर विरोधी टीम की अपनी अलग-अलग ताकत हैं इसलिए हमारी तैयारी भी हर टीम के हिसाब से खास और विस्तृत होगी। अगले कुछ महीने हमारे लिए सबसे अहम हैं क्योंकि हमें ठीक सही समय पर अपनी बेहतरीन फॉर्म में आना है।'

ड्रॉ होने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए फुल्टन ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी टीम इस चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, 'हम बहुत उत्साहित हैं। यह एक बहुत मजबूत ग्रुप है लेकिन विश्व कप में आप यही तो चाहते हैं कि आपका मुकाबला दुनिया की सबसे बेहतरीन टीमों से हो ताकि आपकी असली परीक्षा हो सके। टीम के शिविर में इस समय माहौल बहुत ही सकारात्मक है। खिलाड़ी पूरी तरह से प्रेरित और जोश से भरे हुए हैं। अब जब हमें अपनी विरोधी टीमों के बारे में पता चल गया है तो हमारी तैयारियों को लेकर हमारे मन में पूरी स्पष्टता और एक निश्चित लक्ष्य है।'

फुल्टन ने इस बात पर जोर दिया कि हर टीम की खेलने की अनोखी शैली के हिसाब से अपनी रणनीति में बदलाव करने और उनका सम्मान करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड एक बहुत ही व्यवस्थित और शारीरिक रूप से मज़बूत टीम है। हमारे पूल में वह शीर्ष वरीय भी है। पाकिस्तान की टीम अपने खेल में एक अलग ही अंदाज और अप्रत्याशितता लेकर आती है। साथ ही हॉकी के खेल में उनका बहुत ही समृद्ध इतिहास रहा है इसलिए उन्हें कभी भी हल्के में नहीं लिया जा सकता।'

फुल्टन ने कहा, 'वेल्स की टीम भी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है और वह भी पूरी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ मैदान में उतरेगी।' उन्होंने कहा, 'हम इस पूल में हर प्रतिद्वंद्वी टीम का सम्मान करते हैं लेकिन हमें उनके खिलाफ मुकाबले में खुद पर भरोसा है।' भारतीय टीम 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

भारत के पूल डी मैचों का कार्यक्रम (भारतीय समयानुसार)

15 अगस्त : भारत बनाम वेल्स
17 अगस्त : भारत बनाम इंग्लैंड
19 अगस्त : भारत बनाम पाकिस्तान

कमिंस शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे, ईशान करेंगे कप्तानी, अभिषेक को मिली उपकप्तान की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल के 19 सत्र के शुरुआती मैचों में युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की कप्तानी में खेलेगी। नियमित कप्तान पैट कमिंस के पूरी तरह से फिट नहीं होने से ईशान को कप्तानी सौंपी गयी है। वहीं युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा उप–कप्तानी करेंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के अनुसार जैसे ही कमिंस वापसी करेंगे। वह टीम की कप्तानी संभाल लेंगे। अभी यह पता नहीं चला है कि कमिंस कितने मैच नहीं खेलेंगे पर माना जा रहा है कि वह 23 मार्च को टीम से जुड़ेंगे। वह फ्रेंचाइजी के साथ रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजरने के दौरान सत्र के पहले तीन मैचों से बाहर रहेंगे। टीम अपना शुरुआती मुकाबला 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ करेगी। वहीं वह 2 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स जबकि 5 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलेगी। कमिंस दिसंबर से ही खेल से दूर हैं। पीठ की पुरानी चोट के कारण वह एशेज से भी बाहर रहे थे। उन्होंने हाल में टी20 विश्व कप भी नहीं खेला था। उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल अनुबंध के तहत खेलने की अनुमति दे दी है। हालांकि उन्हें वापसी करने में कुछ समय लग सकता है। कमिंस ने सनराइजर्स की कप्तानी करते हुए 30 मैच खेले हैं, जिनमें से 15 में टीम जीती है जबकि 14 में हारी है। वहीं एक मैच का परिणम नहीं निकला। साल 2024 में, उनकी कप्तानी में टीम फाइनल तक पहुंची थी पर वहां उसे कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। ईशान को कप्तानी इसलिए दी गयी है क्योंकि उन्हें इसका अनुभव है पहले भी वह कई अवसरों पर कप्तानी करते दिखे हैं। घरेलू क्रिकेट में भी उन्होंने कप्तान की भूमिका निभाई है। एसआरएच प्रबंधन हमेशा से इस बात को लेकर स्पष्ट था कि कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान ही टीम की कप्तानी करेंगे।

मेस्सी ने 900वां गोल किया, रोनाल्डो के क्लब में शामिल हुए

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका) (एजेंसी)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने अपने करियर का 900वां गोल करके अपनी कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ दिया। मेस्सी ने इंटर मियामी की तरफ से खेलते हुए बुधवार की रात को नैशविले के खिलाफ कॉनकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 मैच के शुरुआती मिनटों में गोल करके यह उपलब्धि हासिल की।

लगातार दो बार मेजर लीग सॉकर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, आठ बार बैलोन डीओर विजेता और विश्व कप चैंपियन मेस्सी ने हमेशा की तरह अपने बाएं पैर से यह गोल किया। उन्हें खेल के सातवें मिनट में बॉक्स के बीच में पास मिला, उन्होंने गेंद को नियंत्रित किया और डिफेंडरों के बीच से उसे गोल पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया।

आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार क्रिस्टियानो रोनाल्डो एकमात्र ऐसे पुरुष खिलाड़ी हैं जिन्होंने 900 से अधिक गोल किए हैं। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि हासिल करने में मेस्सी से लगभग 100 मैच अधिक खेले। रोनाल्डो ने सितंबर 2024 में अपने करियर के 900 गोल पूरे किए। उस समय उनकी उम्र 39 वर्ष थी जबकि मेस्सी जून में 39 वर्ष के होंगे। इस ऐतिहासिक गोल ने फुटबॉल जगत से बाहर के सितारों का भी ध्यान आकर्षित किया।

बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेमर मैजिक जॉनसन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि मेस्सी का 900 गोल तक पहुंचना 'अविश्वसनीय उपलब्धि है।' कुछ लोगों का मानना है कि ब्राजील के दिग्गज पेले ने अपने करियर में 1,000 गोल का आंकड़ा पार कर लिया था, हालांकि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार उन्होंने लगभग 800 गोल किए थे। विभिन्न स्रोतों के अनुसार पेले ने लगभग 1300 गोल किए थे। इनमें से कुछ गोल उन्होंने निचले स्तर की टीमों के खिलाफ किए थे।

पेले ने लीग मैचों में लगभग 650 गोल किए थे। नैशविले ने हालांकि मेस्सी को इस उपलब्धि का जश्न नहीं मानने दिया क्योंकि उसने इंटर मियामी को 1-1 से ड्रॉ पर रोका और अपने प्रतिद्वंद्वी के घरेलू मैदान पर गोल करने के आधार पर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछले हफ्ते नैशविले में राउंड ऑफ 16 के पहले चरण में गोलरहित ड्रॉ खेला था। यह उपलब्धि मेस्सी के करियर में अनगिनत पुरस्कारों और उपलब्धियों में शामिल हो गई है।

इनमें ला लीगा के शीर्ष स्कोरर के रूप में आठ ट्रॉफी, छह बार ला लीगा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार यूईएफए पुरुष प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार, दो फीफा विश्व कप गोल्डन बॉल और 15 बार अर्जेंटीना का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना शामिल हैं।

मेस्सी ने क्लब और देश के लिए 47 ट्रॉफियां जीती हैं जिनमें अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप और इंटर मियामी के साथ पिछले सत्र का MLS खिताब शामिल है। इस तरह वह पुरुष फुटबॉल के इतिहास में सबसे अधिक खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। मेस्सी लगभग दो दशक तक बार्सिलोना की तरफ से खेलते रहे और उन्होंने अपने आधे से अधिक गोल स्पेन के इस क्लब की तरफ से ही किए हैं।

आईपीएल में इस बार अपने गेंदबाजी कौशल को निखारने पर रहेगा ध्यान : वैभव अरोड़ा

कोलकाता । युवा तेज गेंदबाज वैभव अरोड़ा 28 मार्च से शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलते नजर आयेंगे। वैभव का लक्ष्य इस आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के साथ ही अपने गेंदबाजी कौशल को बेहतर बनाना है। वैभव ने साल 2023 में आईपीएल में पदार्पण के बाद से ही लगातर अपने प्रदर्शन को सुधारा है। इस क्रिकेटर ने कुल 32 मुकाबलों में 36 विकेट लिए हैं। आईपीएल 2024 में केकेआर की खिताबी जीत में भी वैभव की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। तब वैभव ने 10 मुकाबलों में 11 विकेट हासिल किए थे। अब इस बार भी इस गेंदबाज का लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना रहेगा। इसके को देखते हुए वह अभ्यास सत्र में पूरी ताकत लगा रहे हैं। इसके अलावा अपनी गेंदबाजी को बेहतर बनाने के लिए सभी क्षेत्रों पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर, मेरी तैयारी काफी अच्छी है। मैंने नेट्स में अपनी गेंदबाजी को पहले से बेहतर बनाया है। साथ ही कहा कि हर तेज गेंदबाज अपने को लगातार बेहतर बनाने और गेंदबाजी में विविधता लाने में लगा रहता जिससे अपनी गेंदबाजी से असर डाला जा सके। अरोड़ा का कहना है कि उन्हें इस दौरे में उन्हें न्यूजीलैंड के दिग्गज गेंदबाज टिम साउदी जो अब टीम के कोच हैं उनसे भी काफी कुछ सीखने को मिलेगा। साउदी इस सत्र में टीम के साथ गेंदबाजी कोच के तौर पर जुड़े हैं। साउदी काफी अनुभवी गेंदबाज हैं जिन्होंने 700 से ज्यादा विकेट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लिए हैं। वह साल 2021 से 2023 के बीच तीन सत्र तक केकेआर की ओर से खेले भी हैं। इसी को देखते हुए वैभव ने कहा, साउदी एक दिग्गज खिलाड़ी हैं और उनके पास बहुत लंबा अनुभव है। साल 2023 में इसी लीग में जब वह खेल रहे थे तब मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम एशिया जंग ने रूसी-यूक्रेन वार्ता रोकी : जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि रूस और ईरान नफरत में भाई हैं। उन्होंने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से मुलाकात करते हुए आग्रह किया कि यूक्रेन पर ध्यान न भटकाया जाए, जबकि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध ने रूस-यूक्रेन वार्ता की गति को प्रभावित किया है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस और ईरान का गठजोड़ न केवल युद्ध में है बल्कि हथियार और तकनीक में भी सहयोग कर रहा है। उन्होंने ब्रिटेन की संसद में कहा हमें नफरत पर आधारित शासन को कभी जीतने नहीं देना चाहिए।

न्यूयॉर्क: पूर्व मेयर एडम्स को कानूनी मदद रोकने की तैयारी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर प्रशासन ने पूर्व मेयर एरिक एडम्स को एक पुराने यौन उत्पीड़न मामले में दी जा रही कानूनी सहायता वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह मामला 1993 से जुड़ा है, जब एडम्स पर एक महिला ने आरोप लगाया था कि उन्होंने करियर में मदद के बदले यौन संबंध की मांग की थी। हालांकि एडम्स ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब मौजूदा मेयर जोहरान ममदानी और एडम्स के बीच पहले से ही राजनीतिक मतभेद चल रहे हैं। शहर प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय कानूनी प्रक्रिया के तहत लिया गया है और इसमें मेयर का सीधा हस्तक्षेप नहीं है।

जॉर्जिया वेटरन्स अफेयर्स क्लिनिक में गोलीबारी : हमलावर ढेर

त्बिलिसी, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में स्थित एक वेटरन्स अफेयर्स क्लिनिक में मंगलवार दोपहर गोलीबारी की घटना सामने आई। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ के दौरान हमलावर को मार गिराया गया, जबकि एक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के बाद घायल कर्मचारी को हेलीकॉप्टर के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने बताया कि दोपहर करीब 1:30 बजे सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची और क्लिनिक के बाहर ही संदिग्ध का सामना किया, जहां उसे गोली मार दी गई। स्थानीय पुलिस प्रमुख मैट डॉकिंस के अनुसार, हमलावर जैस्पर क्षेत्र का ही रहने वाला था, लेकिन उसके बारे में विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। घटना के कारणों की भी जांच जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। इस मामले की जांच अब संघीय जांच एजेंसी और जॉर्जिया ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन मिलकर कर रहे हैं। फिलहाल एहतियात के तौर पर क्लिनिक को पूरे सप्ताह के लिए बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मरीजों की अपॉइंटमेंट दोबारा तय की जा रही हैं और प्रभावित लोगों को काउंसलिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

न्यू मैक्सिको के अमेरिकी वायुसेना बेस पर गोलीबारी, एक की मौत ; एक घायल भी हुआ

अलमोगोर्डो, एजेंसी। न्यू मैक्सिको के एक अमेरिकी वायुसेना बेस पर गोलीबारी की घटना सामने के बाद हड़कंप मच गया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया है। मिलिट्री अधिकारियों के अनुसार, आलामोगोर्डो के पास स्थित हॉलोमन एयर फोर्स बेस पर मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे गोली चलाने वाला हमलावर (एक्टिव शूटर) की सूचना मिलने के बाद पूरे बेस को लॉकडाउन कर दिया गया था। वहीं इस घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। हालांकि इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और बेस सुरक्षित है। लॉकडाउन भी हटा लिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल कोई खतरा नहीं है और आपातकालीन टीमें मौके पर काम कर रही हैं। फिलहाल, मारे गए और घायल हुए लोगों के नाम या घटना से जुड़ी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि हॉलोमन एयर फोर्स एक बड़ा सैन्य बेस करीब 93 वर्ग मील (240 वर्ग किलोमीटर) में फैला हुआ है। यहां 49वीं विंग तैनात है, जो देश की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण काम करती है और इसमें युद्ध के लिए तैयार सैनिक शामिल होते हैं।

इक्वाडोर राष्ट्रपति ने कोलंबिया पर बमबारी के आरोपों का किया खंडन

क्विटो, एजेंसी। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ ने कोलंबिया में अपने देश द्वारा बमबारी करने के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि उनका देश नार्को आतंकवाद के खिलाफ अपने क्षेत्र में कार्रवाई कर रहा है और केवल इक्वाडोरियन क्षेत्र में ही छिपे नार्को गिरोहों के ठिकानों को निशाना बना रहा है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सोमवार को दावा किया कि इक्वाडोर ने उनके देश की सीमा पर बमबारी की, लेकिन कोई सबूत पेश नहीं किया। पेट्रो ने अमेरिकी राष्ट्रपति से नोबोआ से संपर्क कर कार्रवाई रोकने का अनुरोध भी किया।

कौन थे ईरानी जनरल अली लारीजानी? हत्या कर इजरायल ने ईरान को दे दिया गहरा जख्म

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बीते तीन सप्ताह से जारी युद्ध के बीच इजरायल ने ईरान को बहुत गहरा ज़ख्म दे दिया है। इस बार टॉप कमांडरों को निशाना बनाते हुए इजरायल ने ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी और सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी और बासिज प्रमुख गुलामरेजा सुलेमानी की हत्या कर दी है। इजरायली सेना द्वारा मंगलवार को यह दावा किए जाने के बाद ईरान ने बुधवार को इस खबर की पुष्टि कर दी है। जाहिर है यह खबर सामने आते ही ईरान आग बबूला हो गया है। इसकी वजह यह है कि ईरान के लिए अली लारिजानी महज एक सैन्य कमांडर नहीं थे।

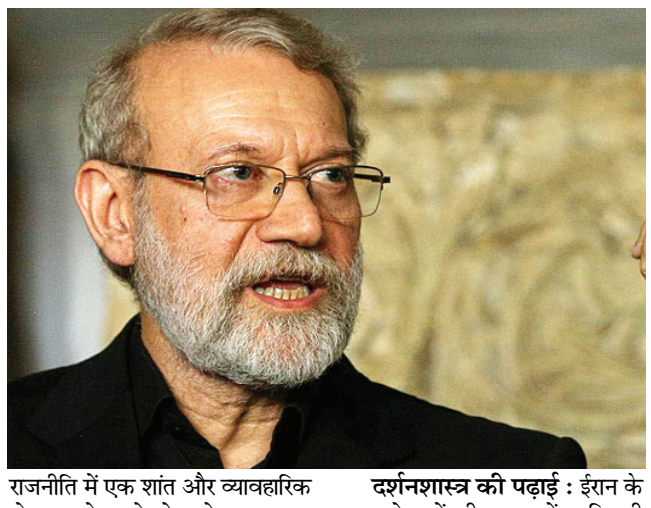

लारिजानी को ईरान में सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद सबसे ताकतवर नेताओं में गिना जा रहा था। ईरान परिषद के अनुसार इस हमले में लारीजानी के साथ उनके बेटे और सुरक्षाकर्मियों सहित कई अन्य लोग भी मारे गए हैं। एक बयान जारी कर ईरान ने लारीजानी के लंबे राजनीतिक करियर की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक ऐसी शख्सियत बताया जिसने जिंदगी के आखिरी क्षणों तक ईरान की प्रगति और बाहरी खतरों के खिलाफ एकजुटता के लिए काम किया। 67 साल के लारिजानी को आखिरी बार बीते शुक्रवार को तेहरान में अल-कुद्स डे परेड में सार्वजनिक रूप से देखा गया था।

कौन थे अली लारीजानी : अली लारिजानी दशकों तक ईरान की राजनीति में एक शांत और व्यावहारिक चेहरा माने जाते थे, जो एक तरफ पश्चिम देशों के साथ परमाणु समझौते पर बातचीत करते थे और दूसरी तरफ दर्शनशास्त्र पर किताबें भी लिखते थे। अली लारिजानी का जन्म 3 जून 1958 को इराक के नजफ में हुआ था, लेकिन उनका परिवार ईरान के अमोल शहर से था। उनका परिवार इतना प्रभावशाली था कि 2009 में टाइम मैगजीन ने उन्हें 'ईरान का केनेडी परिवार' बताया था। उनके पिता मिर्जा हाशेम अमोली एक बड़े धार्मिक विद्वान थे। लारिजानी ने 20 साल की उम्र में फरीदेह मोताहरी से शादी की थी, जो इस्लामिक शासन के संस्थापक रुहोल्लाह खोमैनी के करीबी सहयोगी मोर्तेजा मोताहरी की बेटी हैं।

दर्शनशास्त्र की पढ़ाई : ईरान के अन्य नेताओं की तुलना में लारिजानी की पढ़ाई अलग रही। उन्होंने 1979 में शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से गणित और कंप्यूटर साइंस में डिग्री ली और बाद में तेहरान यूनिवर्सिटी से पश्चिमी दर्शनशास्त्र में मास्टर्स और पीएचडी की। उन्होंने जर्मन दार्शनिक इमानुएल कांट पर शोध भी किया था।

सरकार में निभाई कई जिम्मेदारियां : 1979 की क्रांति के बाद उन्होंने 1980 के दशक में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स में काम किया और बाद में सरकार में शामिल हुए। 2005 में वह राष्ट्रपति चुनाव लड़े लेकिन सफल नहीं हो सके। उसी साल उन्हें सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल का सचिव और मुख्य परमाणु वार्ताकार बनाया गया। 2020 के बाद उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की कोशिश की, लेकिन 2021 और 2024 में गार्जियन काउंसिल ने उन्हें चुनाव लड़ने से रोक दिया। हालांकि अगस्त 2025 में उन्हें फिर से सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल का सचिव बना दिया गया। इसके बाद उनका रुख और सख्त हो गया। अक्टूबर 2025 में उन्होंने इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के साथ सहयोग समझौता खत्म कर दिया।

अमेरिका को दी थी धमकी : सख्त रुख के बावजूद लारिजानी को एक व्यावहारिक नेता माना जाता था, जो बातचीत के जरिए समाधान निकालने में भरोसा रखते थे। हाल ही में वह ओमान की मध्यस्थता में अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष बातचीत में भी शामिल थे। उन्होंने कहा था कि बातचीत ही सही रास्ता है, लेकिन अमेरिका-इजरायल के हमलों के बाद उन्होंने साफ कर दिया था कि ईरान अब अमेरिका से बातचीत नहीं करेगा। उन्होंने अमेरिका को चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिकी सैनिक ईरान में घुसे तो उन्हें मार दिया जाएगा। 13 मार्च को हमलों के बीच वह तेहरान की सड़कों पर राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ प्रदर्शन में भी शामिल हुए और लोगों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने मुस्लिम देशों की चुप्पी पर भी सवाल उठाए थे।

यूएई ने दक्षिण कोरिया को प्राथमिकता के आधार पर कच्चे तेल की आपूर्ति का किया वादा

सियोल , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने दक्षिण कोरिया को कच्चा तेल सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ आपूर्ति करने का वचन दिया है। राष्ट्रपति लीजे म्युंग के मुख्य सहयोगी ने बताया कि खाड़ी देश से कुल 24 मिलियन बैरल कच्चा तेल सुरक्षित किया गया है।

राष्ट्रपति के मुख्य सहयोगी कांग हून-सिक ने यूएई यात्रा से लौटने के बाद एक ब्रीफिंग में यह घोषणा की। कांग ने कहा, 'यूएई ने स्पष्ट रूप से हमें वचन दिया कि किसी अन्य देश को दक्षिण कोरिया से पहले कच्चा तेल नहीं मिलेगा और तेल आपूर्ति के मामले में हम 'पहली प्राथमिकता' हैं।' कांग के अनुसार, नवीनतम घोषणा के साथ दक्षिण कोरिया को यूएई से कुल 24 मिलियन बैरल कच्चा तेल प्राप्त होगा, जिसमें पहले से तय 6 मिलियन बैरल भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यूएई में अस्थायी रूप से रहने वाले 3,500 दक्षिण कोरियाई नागरिकों में से 3,000 सुरक्षित रूप से अपने घर लौट आए हैं।

इसी बीच, राष्ट्रपति लीजे म्युंग ने जापान, कतर और सऊदी अरब के नेताओं को पत्र भेजकर मध्य पूर्व से दक्षिण कोरियाई नागरिकों की निकासी में सहयोग के लिए धन्यवाद किया, क्योंकि यूएस-इज़राइल युद्ध ने क्षेत्र में अस्थिरता पैदा कर दी है। ली ने जापानी प्रधानमंत्री सानेई टकाइची को पूर्व दिन भेजे गए पत्र में जापान की सराहना की, जिन्होंने पिछले बुधवार व शुक्रवार को जापानी चार्टर्ड फ्लाइट्स के माध्यम से 16 दक्षिण कोरियाई नागरिकों और उनके परिवार के अन्य राष्ट्रीयताओं के सदस्यों को टोक्यो पहुंचाने में मदद की। राष्ट्रपति प्रवक्ता कांग यू-जंग ने बताया कि ली ने दोनों देशों के बीच नजदीकी द्विपक्षीय समन्वय की भी सराहना की क्योंकि जापानी नागरिकों को सऊदी अरब से दक्षिण कोरिया एक दक्षिण कोरियाई सैन्य विमान के जरिए ले जाया गया।

अमेरिका में रिपब्लिकन वोटिंग बिल बहस : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रिपब्लिकन सांसदों ने मंगलवार को सीनेट में मतदान नियमों को कड़ा करने वाले बिल पर बहस शुरू की, जिसे पास कराना मुश्किल है। यह टॉकथॉन कई दिनों या हफ्तों तक चल सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सीनेट नेता जॉन थून पर दबाव डाला है कि वे फिलिबस्टर को खत्म करें या बिल पास करने का कोई रास्ता खोजें, लेकिन थून ने बार-बार कहा कि उनके पास पर्याप्त वोट नहीं हैं।

पाकिस्तान हमलों के बाद अफगानिस्तान का भरोसा टूटा', मुत्ताकी ने उठाए सवाल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर गहराता नजर आ रहा है। अमीर खान मुत्ताकी ने कहा है कि काबुल पर हालिया हवाई हमलों के बाद अफगानिस्तान का पाकिस्तान की कूटनीतिक मंशा पर से भरोसा पूरी तरह उठ गया है। विदेश मंत्री मुत्ताकी ने काबुल में राजनयिकों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान कहा कि पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई यह दर्शाती है कि वह विवादों को बातचीत से सुलझाने के बजाय बल प्रयोग का रास्ता अपना रहा है।

अफगान विदेश मंत्री ने कहा कि जब तक पाकिस्तान अपनी आक्रामक कार्रवाई बंद नहीं करता, तब तक किसी भी तरह की बातचीत या समझौता संभव नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान की सेना ने पिछले कुछ वर्षों में कई बार अफगान हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। मुत्ताकी ने चेतावनी दी कि यह स्थिति केवल अफगानिस्तान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए खतरा बन सकती है। उन्होंने पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे इस मुद्दे पर हस्तक्षेप कर हालात को और बिगड़ने से रोकें।

अंतरिक्ष में लगेंगे 50,000 विशाल दर्पण, रात में भी चमकेगा सूर्य : कैलिफोर्निया, एजेंसी। अंतरिक्ष में 50,000 विशाल दर्पण लगाए जाएंगे। इनके जरिये सौर ऊर्जा फार्मों को 24 घंटे धूप मिलेगी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित स्टार्टअप रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल ने अंतरिक्ष से पृथ्वी पर सूर्य की रोशनी भेजने की एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। कंपनी का लक्ष्य पृथ्वी की कक्षा में 50,000 विशाल दर्पण स्थापित करना है, जो रात के अंधेरे में भी सौर ऊर्जा फार्मों और विशिष्ट क्षेत्रों को रोशन कर सकेंगे। हॉथोर्न स्थित इस कंपनी ने एक प्रोटोटाइप तैयार किया है, जो एक छोटे फ्रिज के आकार का उपग्रह है। इसमें 60 फीट चौड़ा एक मुड़ने वाला दर्पण लगा है। यह दर्पण अंतरिक्ष से सूर्य की किरणों को परावर्तित कर जमीन पर लगभग तीन मील चौड़े क्षेत्र में रोशनी फैलाएगा।

अमेरिका में हिंदूफोबिया के खिलाफ प्रस्ताव को मिल रहा समर्थन

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में हिंदूफोबिया और हिंदू-विरोधी कट्टरता की निंदा करने वाला एक प्रस्ताव जोर पकड़ रहा है। 400 से ज्यादा समुदाय के सदस्यों ने इस कदम का समर्थन किया है और कानून बनाने वाले हिंदू अमेरिकियों को निशाना बनाने वाली बढ़ती घटनाओं पर गवाहों के बयान सुन रहे हैं।

मिनेसोटा सीनेट में 9 मार्च को पेश किए गए इस प्रस्ताव का मकसद हिंदू अमेरिकियों के साथ होने वाले भेदभाव को औपचारिक रूप से मान्यता देना और धार्मिक स्वतंत्रता, बहुलवाद व आपसी सम्मान के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दोहराना है। 'कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका' (सीओएचएनए), जिसने इस मुहिम की अगुवाई की है, ने कहा कि यह पहल मान्यता और सुरक्षा हासिल करने के लिए हिंदू समुदाय के लगातार प्रयासों को दर्शाती है। समुदाय के नेताओं ने मिनेसोटा सीनेट की न्यायपालिका और सार्वजनिक सुरक्षा समिति के सामने गवाही दी और राज्य व देशभर में सामने आई घटनाओं का जिक्र किया। इनमें एदिना में एक मंदिर को निशाना बनाकर की गई नफरती बयानबाजी, मेपल ग्रोव में पुजारियों के घरों में हुई चोरियां और अतीत में हिंदू संस्थानों पर हुए तोड़फोड़ और डराने-धमकाने के मामले शामिल थे। सीओएचएनए के मिनेसोटा चैप्टर की निदेशक नेहा मरकंडा ने समिति से कहा, 'जिस नफरत का कोई नाम नहीं होता, उसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। मिनेसोटा के कानून बनाने वालों से संस्थागत मान्यता मिलना इसलिए बहुत जरूरी है ताकि व्यापक समुदाय को यह भरोसा दिलाया जा सके कि उनके दर्द को देखा जा रहा है और यह कि हम सब मिलकर हर मिनेसोटावासी की सुरक्षा और गरिमा के वादे को पूरा करेंगे।' हिंदू समुदाय के सदस्यों द्वारा सौंपे गए एक पत्र में कानून बनाने वालों से इस प्रस्ताव का समर्थन करने की अपील की गई। एक मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, कुछ ही दिनों के भीतर 400 से ज्यादा मिनेसोटावासियों द्वारा हस्ताक्षरित इस पत्र में हिंदूफोबिया के बारे में ज्यादा जागरूकता फैलाने, नफरती घटनाओं की रिपोर्टिंग के बेहतर तंत्र बनाने, और भेदभाव-विरोधी व विविधता से जुड़ी पहलों में हिंदू समुदायों को ज्यादा मजबूती से शामिल करने की मांग की गई है।

इस प्रयास को अन्य धार्मिक समूहों से भी समर्थन मिला है। 'यहूदी समुदाय संबंध परिषद' के उप-कार्यकारी निदेशक एथन रॉबर्ट्स ने कानून बनाने वालों से कहा कि धार्मिक नफरत का सामना करने के लिए उसे स्पष्ट रूप से स्वीकार करना जरूरी है।

बमबारी रुकी तो ही करेंगे मदद: फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार को साफ किया कि मौजूदा युद्ध जैसी परिस्थितियों में फ्रांस होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा में किसी भी तरह की सैन्य भूमिका नहीं निभाएगा। उन्होंने यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस अपील के जवाब में दिया, जिसमें उन्होंने सहयोगी देशों से इस रणनीतिक जलमार्ग की सुरक्षा में मदद मांगी थी।

रक्षा परिषद की बैठक में इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस इस संघर्ष का हिस्सा नहीं है और इसलिए वर्तमान हालात में जलडमरूमध्य को खोलने या सुरक्षित करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं करेगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब स्थिति सामान्य हो जाएगी और संघर्ष का तीव्र चरण समाप्त हो जाएगा, तब फ्रांस अन्य देशों के साथ मिलकर जहाजों को सुरक्षा देने में भूमिका निभा सकता है।

बमबारी और सैन्य अभियानों से अलग हो यह मिशन :मैक्रों इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि इस तरह के किसी भी मिशन के लिए ईरान के साथ तनाव कम करने और बातचीत की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि यह ईरान में चल रहे सैन्य अभियानों और बमबारी से पूरी तरह अलग होना चाहिए। दुनिया में करीब 20 प्रतिशत समुद्री तेल की आपूर्ति करने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य फिलहाल पश्चिम एशिया संघर्ष के चलते प्रभावित है। पिछले सप्ताह मैक्रों ने संकेत दिया था कि फ्रांस और उसके सहयोगी इस जलमार्ग को फिर से खोलने के लिए एक रक्षात्मक मिशन की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन यह तभी संभव होगा जब हालात में सुधार होगा। ट्रंप ने जताई थी नाटो से नाराजगी इमैनुएल मैक्रों के बयान से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो पर निशाना साधते हुए कहा कि संगठन ईरान के मुद्दे पर बड़ी गलती कर रहा है और अमेरिका को किसी मदद की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके अधिकांश सहयोगियों ने जहाजों की सुरक्षा के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि उनका देश सहयोगियों के साथ मिलकर होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की व्यवहारिक योजना पर काम कर रहा है, लेकिन उन्होंने नाटो मिशन से इनकार कर दिया। जर्मनी के अधिकारियों ने भी स्पष्ट किया कि यह युद्ध नाटो का विषय नहीं है।

1957 के बाद पहली बार उत्तर कोरियाई चुनाव अलग कैसे?

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया में 2026 के संसदीय चुनावों ने एक बार फिर वैश्विक ध्यान खींचा है। सरकारी मीडिया केसीएनए के अनुसार, देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन और उनकी वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया ने एक बार फिर लगभग सभी वोट और सभी सीटें अपने नाम करते हुए भारी बहुमत से जीत हासिल की। 15 मार्च को आयोजित इन चुनावों में 15वीं सर्वोच्च जनसभा के सदस्यों का चयन हुआ। मतदान प्रतिशत लगभग पूर्ण रहा, जिससे सरकार ने इसे जनता के समर्थन का प्रतीक बताया। चूंकी किम जोंग उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता हैं और वहां लोकतंत्र नहीं है, तो जाहिर सी बात है कि जीत उनकी ही होनी थीं। हालांकि इन सभी चिजों के बीच ध्यान खींचने वाली बात यह है कि किम की पार्टी और उसके सहयोगी दलों को 99.93 प्रतिशत वोट मिले। इसके बाद सवाल यह उठ रहा है कि आखिर 0.7 प्रतिशत मतदाता कौन हैं, जिन्होंने किम जोंग या उनकी पार्टी को वोट नहीं दिया। ये बात सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा में है।

किम को क्यों नहीं पड़े 0.7 प्रतिशत वोट : 0.7 प्रतिशत मतदाओं की बात को ऐसे समझा जा सकता है कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पंजीकृत मतदाताओं में से 99.99% लोगों ने वोट डाला। केवल 0.0037% लोग विदेश में होने या समुद्र में काम करने के कारण मतदान नहीं कर सके, जबकि सिर्फ 0.00003% लोगों ने वोट डालने से परहेज किया। मतदान करने वालों में से 99.93% ने उम्मीदवारों का समर्थन किया, जबकि 0.07% ने विरोध में वोट दिया।

1957 के बाद पहली बार हुआ ऐसा : चुनाव विशेषज्ञों के अनुसार, इस चुनाव की एक खास बात यह रही कि 1957 के बाद पहली बार राज्य मीडिया ने यह स्वीकार किया कि कुछ वोट उम्मीदवारों के खिलाफ भी पड़े हैं। हालांकि यह संख्या बेहद कम (0.07%) है, फिर भी यह विरोध का आंकड़ा उत्तर कोरिया जैसे देश में असामान्य रूप से उल्लेखनीय माना जा रहा है। इस चुनाव के तहत कुल 687 प्रतिनिधि चुने गए, जिनमें कामगार, किसान, बुद्धिजीवी, सेवा कर्मी और सरकारी अधिकारी शामिल हैं। हर निर्वाचन क्षेत्र में केवल एक ही उम्मीदवार होने के कारण, कई आलोचक इसे दिखावटी चुनाव मानते हैं। यानी, यह चुनाव आम तौर पर केवल सरकारी या पार्टी के फैसलों को औपचारिक रूप देने का तरीका माना जाता है। चुनाव और मतगणना के बाद पूरी बात को ऐसे समझा जा सकता है कि उत्तर कोरिया में 2026 के संसदीय चुनावों में किम जोंग उन और उनकी वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया ने पूर्ण बहुमत के साथ जीत हासिल की है।

पाकिस्तान की मदद को आगे आया रूस, सस्ते तेल देने की पेशकश

इस्लामाबाद, एजेंसी। रूस ने पाकिस्तान को सस्ते तेल की पेशकश की है। यह खबर ऐसे समय में आई है जब मध्य पूर्व में जारी जंग के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हो रही है और पाकिस्तान में ईंधन की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। पाकिस्तान में रूस के राजदूत अल्बर्ट खोरेव ने कहा है कि उनका देश पाकिस्तान को रियायती (डिस्काउंटेड) दरों पर तेल की आपूर्ति करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने पाकिस्तान से इस अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

मंगलवार को इस्लामाबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, खोरेव ने स्पष्ट किया कि यदि इस्लामाबाद इस मामले पर औपचारिक रूप से उनके देश से संपर्क करता है, तो रूस पाकिस्तान को सस्ता तेल बेचेगा। हालांकि, राजदूत ने यह भी बताया कि इस संबंध में अभी तक कोई औपचारिक संपर्क नहीं किया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऊर्जा क्षेत्र दोनों देशों के द्विपक्षीय सहयोग का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ बना हुआ है और इस क्षेत्र में कोई भी प्रगति इस्लामाबाद द्वारा की जाने वाली पहल और बातचीत पर निर्भर करेगी।

मध्य पूर्व संकट और पाकिस्तान पर असर : दुनिया भर की कई अर्थव्यवस्थाओं की तरह, पाकिस्तान भी मध्य पूर्व में जारी युद्ध और तनाव के कारण सप्लाई चेन के बाधित होने से ईंधन की बढ़ती कीमतों से जूझ रहा है। अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमलों के जवाब में ईरान द्वारा रास्ता रोके जाने के बाद, वैश्विक तेल परिवहन के लिए एक प्रमुख मार्ग- होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से होने वाला शिपिंग यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। इस भारी व्यवधान के बीच, पाकिस्तान ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 20% की भारी वृद्धि की है। हालांकि, वहां के केंद्रीय मंत्रियों का कहना है कि यह वृद्धि अस्थायी है और संघर्ष शांत होने के बाद इसे वापस ले लिया जाएगा। गौरतलब है कि पाकिस्तान पहले भी रूस से छूट वाले कच्चे तेल का आयात कर रहा है, हालांकि यह मात्रा सीमित रही है। पाकिस्तान अपनी कुल तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा सऊदी अरब, यूएई जैसे खाड़ी देशों से पूरा करता है, लेकिन हालिया वैश्विक संकट ने सप्लाई चैन को प्रभावित किया है। हाल ही में रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान को मार्च 2026 में रूसी तेल का एक बड़ा शिपमेंट मिलने की उम्मीद है।

हालांकि, पाकिस्तान की रिफाइनरियां ज्यादातर हल्के क्रूड के लिए डिजाइन की गई हैं, जबकि रूसी उराल्स क्रूड भारी होता है, जिससे तकनीकी चुनौतियां भी हैं।

अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और ईरान पर रूस का रुख : रूसी राजदूत ने कहा कि मध्य पूर्व में ईरान की प्रतिक्रिया खाड़ी के जलक्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर केंद्रित थी, लेकिन मौजूदा अनिश्चितता का हवाला देते हुए उन्होंने इस पर अधिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। खोरेव ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य कार्रवाइयों से दुनिया हैरान रह गई है। उन्होंने मौजूदा स्थिति को जटिल और अप्रत्याशित बताते हुए कहा कि यह कहना बहुत मुश्किल है कि वर्तमान तनाव कैसे और कब समाप्त होगा।

ईरान में स्कूल पर हमले की निंदा और अमेरिका-इजरायल की आलोचना : रूसी राजदूत ने ईरान में लड़कियों के एक स्कूल पर हुए हमले की भी कड़ी निंदा की, जिसमें 170 बच्चों की जान चली गई। इसे अत्यंत निंदनीय बताते हुए उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने का आग्रह किया। उन्होंने तनाव में शामिल सभी पक्षों से बल प्रयोग से बचने और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से मुद्दों को हल करने का आह्वान किया। इसके अलावा, रूसी दूत ने अमेरिका और इजरायल की कार्रवाइयों की तीखी आलोचना की।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूट्यूबर एल्विश को सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत, यूपी पुलिस की दर्ज एफआईआर की रद्द

2023 में रेव पार्टी में सांप के जहर के इस्तेमाल के आरोपों के बाद मामला दर्ज किया था

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश यादव को राहत देते हुए 2023 के चर्चित स्नेक वेनम मामले में यूपी पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। दरअसल, नवंबर 2023 में यूपी के नोएडा में कथित रेव पार्टी में सांप के जहर के इस्तेमाल के आरोपों के बाद एल्विश के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। बाद में 17 मार्च 2024 को उन्हें गिरफ्तार किया था उन पर आरोप था कि पार्टियों में सांपों और उनके जहर का इस्तेमाल मनोरंजन और नशे के लिए किया जा रहा था, जो वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत गंभीर अपराध है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की युगलपीठ ने कहा कि जिस कथित साइकोट्रॉपिक पदार्थ की बात कही गई, वह कानून की तय सूची में शामिल ही नहीं है। साथ ही कोर्ट ने यह भी नोट किया कि एल्विश के पास से कोई बरामदगी नहीं हुई थी और चार्जशीट में केवल यह आरोप था कि उन्होंने एक सहयोगी के जरिए ऑर्डर दिया था। इन तथ्यों को देखते हुए कोर्ट ने माना कि एनडीपीएस एक्ट का इस्तेमाल इस मामले में कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है।

दूसरे अहम पहलू पर कोर्ट ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि इस कानून के तहत अभियोजन केवल अधिकृत अधिकारी की शिकायत के आधार पर ही शुरू किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि मौजूदा एफआईआर इस प्रक्रिया का पालन नहीं करती, इसलिए यह विधिसम्मत नहीं मानी जा सकती। साथ ही कोर्ट ने यह भी दर्ज किया कि भारतीय दंड संहिता के तहत लगाए गए आरोप स्वतंत्र रूप से स्थापित नहीं होते, क्योंकि वे एक पहले की शिकायत का हिस्सा थे जिसे पहले ही बंद किया जा चुका है। इन सभी कानूनी आधारों पर सुप्रीम कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि एफआईआर न्यायिक जांच की कसौटी पर खरी नहीं उतरती और इसे रद्द किया जाना चाहिए। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि उसने मामले के तथ्यों या आरोपों की मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

बता दें पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट इस मुद्दे को लेकर सख्त टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था कि अगर लोकप्रिय लोग आवाजहीन जीवों जैसे सांपों का इस तरह इस्तेमाल करते हैं, तो इससे समाज में गलत संदेश जा सकता है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या किसी को चिड़ियाघर जाकर जानवरों के साथ खेलने की अनुमति दी जा सकती है और क्या यह कानून का उल्लंघन नहीं होगा। एल्विश यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलील दी थी कि वह एक वीडियो शूट के लिए गायक फाजिलपुरिया के निमंत्रण पर पार्टी में गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि न तो किसी रेव पार्टी के ठोस सबूत हैं और न ही किसी मादक पदार्थ के इस्तेमाल के प्रमाण। साथ ही लैब रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया कि बरामद किए गए नौ सांप विषैले नहीं थे और एल्विश घटनास्थल पर मौजूद भी नहीं थे।

वहीं, दूसरी ओर राज्य पक्ष का कहना था कि पुलिस ने मौके से नौ सांप, जिनमें पांच कोबरा शामिल

थे, बरामद किए थे और सांप के जहर के इस्तेमाल के संकेत भी मिले थे। कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी पूछा था कि आखिर सांप का जहर कैसे निकाला जाता है और पार्टियों में इसका इस्तेमाल किस तरह होता है।

गुजरात के सूरत में सिलेंडर ब्लास्ट, दो लोगों की मौत, 9 झुलसे

इमारत में एंब्रॉडरी की इकाई थी, पुलिस कर रही मामले की जांच

सूरत। गुजरात के सूरत जिले में सिलेंडर ब्लास्ट से बड़ा हादसा हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 9 झुलस गए। हादसा कपोदरा इलाके के रचना सर्किल में स्थित एक इमारत में गुरुवार सुबह करीब 5.30 बजे एक के बाद एक दो सिलेंडर्स में साथ ब्लास्ट हुए। इसकी वजह से इमारत की तीसरी मंजिल पर भीषण आग लग गई और फैल गई। बताया जा रहा है कि इमारत में एंब्रॉडरी की इकाई थी।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात के सूरत शहर में एक एम्ब्रॉयडरी यूनिट वाली इमारत में गुरुवार सुबह आग लगने के बाद गैस सिलिंडर फट गए। यह हादसा तब हुआ जब लोग गहरी नींद में थे कि अचानक धमाके की आवाज ने पूरे इलाके को हिला दिया। घटना सुबह करीब 5:30 बजे हुई। वहां एम्ब्रॉयडरी का काम होता था और आठ गैस सिलिंडर स्टोर किए गए थे। फायर विभाग के अधिकारी ने बताया कि आग लगते ही दो सिलिंडर फट गए, जिससे आग और तेजी से फैल गई। चार फायर गाड़ियां वहां पहुंची, लेकिन पहले ही धमाका हो चुका था। अधिकारी ने कहा कि आग तीसरी मंजिल पर भड़क रही थी।फायरमैनों ने इमारत के तीसरे फ्लोर पर लगी शीट तोड़ी और अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। कुल 11 लोगों को बचाया गया है। बचाए गए लोगों में से नौ के झुलसने के निशान थे, जबकि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। घायलों की स्थिति स्थिर है। पुलिस और फायर विभाग अब पूरे मामले की जांच कर रहे हैं कि आग लगने की असली वजह क्या थी और सिलिंडर कहां से और कैसे स्टोर किए गए थे।

नौसेना अलर्ट, भारत ने ऊर्जा सुरक्षा के लिए खाड़ी क्षेत्र में युद्धपोतों की तैनाती बढ़ाई

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संकट और युद्ध के बीच वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव चरम पर पहुंच गया है। इस संवेदनशील समुद्री मार्ग पर बढ़ते खतरों को देखते हुए भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। भारतीय नौसेना ने खाड़ी क्षेत्र में अपने युद्धपोतों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है, ताकि कच्चे तेल और गैस लेकर आने वाले भारतीय जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया जा सके।

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस जलमार्ग के एक तरफ फारस की खाड़ी और दूसरी ओर ओमान की खाड़ी स्थित है। भारत अपनी तेल और गैस की जरूरतों के लिए कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों पर निर्भर है, जिनके टैंकर इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। वर्तमान में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव के कारण इस मार्ग पर आवाजाही लगभग ठप हो गई है, जिससे भारत के करीब 22 व्यापारिक जहाज वहां फंसे हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नौसेना ने वहां मौजूद तीन युद्धपोतों के साथ अतिरिक्त जहाजों को तैनात करने का निर्णय लिया है, जिससे कुल संख्या छह से सात तक हो जाएगी। भारतीय नौसेना यह मिशन ऑपरेशन संकल्प के तहत चला रही है। इस अभियान की शुरुआत वर्ष 2019 में समुद्री सुरक्षा और भारतीय व्यापारिक जहाजों में भरोसा बनाए रखने के उद्देश्य से की गई थी। नौसेना की इस मुस्तैदी का सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिला है।

शिवसेना (यूबीटी) के आधे से ज्यादा सांसद शिंदे के संपर्क में, बदलना चाहते हैं दल

एकनाथ शिंदे के दिल्ली से ऑपरेशन टाइगर की चर्चा, उद्धव गुट में बढ़ी बेचैनी!

मुंबई।

महाराष्ट्र की सियासत में क्या डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे एक बार खेला करने जा रहे हैं? शिंदे के दिल्ली दौरे से महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर की चर्चा तेज हो गई है, जिसे लेकर उद्धव ठाकरे गुट में बेचैनी बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि उद्धव के आधे से ज्यादा सांसद शिंदे गुट का दामन थाम सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शिवसेना (यूबीटी) के आधे से ज्यादा सांसद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंद के संपर्क में है और दल बदलने के लिए तैयार का रहे हैं। शिंदे का यह कदम उस बड़े मिशन का हिस्सा है, जिसका मकसद अपनी पार्टी की ताकत बढ़ाना और संसद में अपने सदस्यों की संख्या बढ़ाना है। महाराष्ट्र की राजनीति में फिर से बड़े बदलाव की संभावना जताई जा रही है। शिंदे के तीन दिवसीय दिल्ली दौरे ने उद्धव ठाकरे गुट की बेचैनी को बढ़ा दिया है। हालांकि, शिंदे के साथ दिल्ली दौरे पर मौजूद रहे उदय सामंत ने कहा कि यह दौरा पूरी तरह से सांसदों के साथ संवाद और मार्ग दर्शन के लिए था। रिपोर्ट के मुताबिक डिप्टी सीएम एकनाथ ने अपने दिल्ली दौरे पर सबसे पहले संसद भवन पहुंचे। संसद भवन में पीएम मोदी से मुलाकात की और उसके केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मिले थे। सूत्रों की माने तो उद्धव ठाकरे के 9 लोकसभा सांसदों में से आधे से ज्यादा सांसद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के संपर्क में है और पाला बदलने के इच्छुक हैं। शिवसेना के सूत्रों ने बताया है कि दिल्ली यात्रा के दौरान एकनाथ शिंदे ने अपने सांसदों के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की और इस दौरान उन्होंने उद्धव गुट के सांसदों के पाला बदलने की संभावनाओं से शिंदे

के पाला बदलने के मुद्दे पर चर्चा की। ऐसे शिंदे ने दिल्ली दौरे पर कानूनी विशेषज्ञों से इस संबंध में राय भी ली है। इसके बाद से ऑपरेशन टाइगर की चर्चा तेज हो गई।बता दें महाराष्ट्र में 2024 के विधानसभा चुनाव से बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन अपनी जीत का सिलसिला बरकार रखा है। नगर निगम चुनाव से लेकर जिला परिषद और मेयर तक के चुनाव में बीजेपी और शिवेसना की जोड़ी हिट रही है। दूसरी तरफ उद्धव ठाकरे ने मुंबई की सत्ता भी गंवा चुकी है और बीजेपी का बीएमसी पर पूरी तरह से कब्जा है, जिसके चलते शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं में राजनीतिक बेचैनी बढ़ गई। उद्धव गुट के सांसदों के पाला बदलने की संभावनाओं से शिंदे गुट के नेता इनकार कर रहे हैं। शिवसेना कोटे के मंत्री उदय सामंत ने स्पष्ट किया है कि शिंदे के दिल्ली दौरे का ऑपरेशन टाइगर से कोई संबंध नहीं है। शिंदे गुट के नेता भले ही इनकार कर रहे हों, लेकिन उद्धव गुट बेचैन है।

उद्धव ठाकरे के सामने अपने सियासी वजूद को बचाए रखने की चुनौती खड़ी हो गई है। केंद्र से लेकर राज्य तक की सत्ता से बाहर हो गई है। इतना ही नहीं जिला परिषद से लेकर नगर निगम और नगर पालिका तक में पार्टी कमजोर हुई है।

दुनिया के ये मुल्क जिनके पास ऐसी मिसाइलें हैं जो अमेरिका को सीधे टारगेट कर सकतीं

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच टकराव ने फिर दुनिया को मिसाइलों के खतरे की याद दिला दी है। इसतरह के माहौल में यह सवाल अहम हो जाता है कि किन देशों के पास ऐसी इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) हैं, जो सीधे अमेरिका तक मार कर सकती हैं।इस सूची में सबसे पहले नंबर पर रूस का नाम आता है। रूस के पास दुनिया का सबसे बड़ा और अत्याधुनिक परमाणु मिसाइल जखीरा माना जाता है। उसकी 'टोपोल-एम' जैसी आईसीबीएम मिसाइलें 11,000 किलोमीटर से भी अधिक दूरी तक मार करने में सक्षम हैं। ये मिसाइलें उत्तरी ध्रुव के ऊपर से उड़ान भरकर अमेरिका के किसी भी हिस्से को निशाना बना सकती हैं। शीत युद्ध के दौर से ही रूस और अमेरिका के बीच यह रणनीतिक संतुलन बना हुआ है, जिसे ÷न्यूक्लियर डिटरेंस÷ कहा जाता है।वहीं इस सूची में दूसरे नंबर पर चीन का नाम आता है, जो कि पिछले कुछ दशकों में अपनी सैन्य ताकत में तेजी से विस्तार कर रहा है। चीन की 'डीएफ-41' मिसाइल दुनिया की सबसे उन्नत आईसीबीएम में गिनी जाती है। इसकी रेंज इतनी लंबी है कि यह करीब 30 मिनट के भीतर अमेरिका तक पहुंच सकती है। चीन के पास जमीन से लांच होने वाली मिसाइलों के साथ-साथ पनडुब्बियों से छोड़ी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों की क्षमता भी है, जिससे उसकी रणनीतिक ताकत और बढ़ जाती है।तीसरे स्थान पर सनकी तानाशाह के देश उत्तर कोरिया का नाम आता है। सीमित संसाधनों और कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद उसने अपनी मिसाइल तकनीक में उल्लेखनीय प्रगति की है। हाल के वर्षों में उसके कई आईसीबीएम मिसाइलों का परीक्षण सफल रहे हैं, जो यह संकेत देते हैं कि वह अमेरिका तक मार करने में सक्षम हो सकता है। उत्तर कोरिया की मिसाइल नीति मुख्य रूप से अमेरिका और उसके सहयोगियों पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है। वहीं ईरान ने भी हाल ही में 10,000 किलोमीटर रेंज वाली मिसाइल विकसित करने का दावा किया है। हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि अभी पूरी तरह नहीं हुई है, लेकिन यदि यह सच साबित होता है, तब ईरान भी उन देशों की सूची में शामिल हो सकता है, जिनके पास अमेरिका तक पहुंचने की क्षमता है।इसके अलावा भारत और इज़रायल के पास भी लंबी दूरी की उन्नत मिसाइल तकनीक मौजूद है। भारत की 'अग्नि-5' मिसाइल 5,000 किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार कर सकती है, जबकि इज़रायल की 'जेरिको' मिसाइल प्रणाली को भी अत्याधुनिक माना जाता है। हालांकि ये दोनों देश मुख्य रूप से अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने पर केंद्रित हैं। यूरोप में ब्रिटेन और फ्रांस के पास भी परमाणु-सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलें हैं। लेकिन चूंकि ये देश नाटो के सदस्य हैं और अमेरिका के सहयोगी हैं, इसलिए इन्हें खतरे के रूप में नहीं देखा जाता। कुल मिलाकर, रूस और चीन पहले और दूसरे स्थान पर हैं, जिनके पास अमेरिका तक मार करने की सबसे मजबूत और भरोसेमंद क्षमता है।

कानपुर में ट्रेन ट्रैक पर जला एलपीजी सिलेंडर मिला, यात्रियों में दहशत

कानपुर ।

कानपुर कैंटोनमेंट इलाके में बुधवार शाम लगभग 7ः30 बजे दिल्ली-प्रयागराज रेल मार्ग पर एक छोटा एलपीजी सिलेंडर जल गया। यह घटना कानपुर सेंट्रल स्टेशन से लगभग दो किलोमीटर दूर सुनसान इलाके में हुई। पांच किलो का सिलेंडर ट्रैक से लगभग सात फीट दूर मिला।

स्थानीय निवासियों ने आग पर पुलिस और आरपीएफ के आने से पहले ही काबू पा लिया। पुलिस के अनुसार, सिलेंडर महाबोधि एक्सप्रेस से गिरा हो सकता है और गैस रिसाव के कारण उसमें आग लग गई।

घटनास्थल से अधजला बोरा बरामद हुआ, जिसमें बर्तन, मोबाइल फोन और प्रतापगढ़ निवासी ओम प्रकाश मिश्रा का आधार कार्ड मिला।

डीसीपी (ईस्ट) सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि मिश्रा दिल्ली में सुरक्षा गार्ड हैं और घर लौट रहे थे। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की गहन जांच कर रही हैं। शुरुआती आकलन इसे हादसा मान रहा है, लेकिन शराब सेवन, लापरवाही या संभावित साजिश के पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

विजयपुर से मल्होत्रा बने रहेंगे विधायक, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का आदेश किया खारिज

विधायक पर कुछ पाबंदियां भी लगाई, राज्यसभा के लिए नहीं कर सकेंगे मतदान

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश की विजयपुर विधानसभा सीट को लेकर चल रहे कानूनी विवाद में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया। कोर्ट ने मुकेश मल्होत्रा की विधायकी को बरकरार रखते हुए मप्र हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच के उस आदेश को खारिज कर दिया है, जिसमें रामनिवास रावत को विधायक घोषित किया गया था। सुप्रीम कोर्ट में मुकेश मल्होत्रा का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने दलीलें पेश कीं, जिसके बाद कोर्ट ने मल्होत्रा को राहत दी।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की युगल पीइ ने मुकेश मल्होत्रा को विधायक के रूप में जारी रखने की अनुमति तो दी है, लेकिन अंतिम फैसला आने तक ये पाबंदियां भी लगाई हैं जिसमें मुकेश मल्होत्रा फिलहाल राज्यसभा के लिए मतदान नहीं कर सकेंगे। ऐसे में अब मुकेश जून में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए वोट नहीं डाल पाएंगे। जब तक कोर्ट इस मामले में अपना अंतिम फैसला नहीं सुना देता, तब तक उन्हें विधायक के रूप में मिलने वाला वेतन और भत्ते नहीं दिए जाएंगे। वरिष्ठ वकील तन्खा ने बताया कि अब इस मामले की अगली सुनवाई 23 जुलाई को

होगी।सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद विधायक मुकेश मल्होत्रा ने वीडियो जारी कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जो सम्मानजनक फैसला दिया है, उससे मैं संतुष्ट हूं। ये विजयपुर की जनता के एक-एक मत की जीत है। पूर्व मंत्री रामनिवास रावत आरोप लगा रहे थे कि मैंने मामले छिपाए हैं। मैंने कुछ नहीं छिपाया।

बंगाल चुनाव से पहले चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन, 40 से ज्यादा अफसरों का तबादला

शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर पुलिस महकमे तक व्यापक फेरबदल, राजनीतिक माहौल गरमाया

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद निर्वाचन आयोग ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए राज्य में व्यापक फेरबदल किया है। अब तक 40 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को उनके पदों से हटाया या स्थानांतरित किया जा चुका है, जिसे लेकर अब राजनीतिक गलियारे में भी हड़कंप मचा हुआ है।राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा को उनके पदों से हटाकर चुनाव से जुड़े कार्यों से दूर कर दिया गया है। उनकी जगह दुश्मंता नरिवाला को नया मुख्य सचिव और संगमित्रा घोष को गृह सचिव नियुक्त किया गया है। प्रशासनिक स्तर पर इतनी तेजी से बदलाव को राज्य के इतिहास में दुर्लभ माना जा रहा है।

यह कार्रवाई केवल शीर्ष अधिकारियों तक सीमित नहीं रही। पुलिस विभाग में भी बड़े पैमाने पर तबादले किए गए हैं।

राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), कानून-व्यवस्था के महानिदेशक, दक्षिण बंगाल के अतिरिक्त महानिदेशक और उत्तर बंगाल के महानिरीक्षक सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों को बदला गया है। इसके साथ ही बैरकपुर, हावड़ा, आसनसोल और चंदननगर जैसे प्रमुख शहरों के पुलिस आयुक्तों का भी स्थानांतरण किया गया है।क्षेत्रीय स्तर पर भी इसका व्यापक असर देखने को मिला है। मुर्शिदाबाद, बर्दवान, प्रेसिडेंसी रेंज, रायगंज और जलपाईगुड़ी के पांच डीआईजी को हटाया गया है, जबकि कूचबिहार, बीरभूम, हुगली ग्रामीण, मालदा और पूर्व-पश्चिम मेदिनीपुर समेत 12 जिलों के पुलिस अधीक्षकों का तबादला किया गया है।

साथ ही 15 आईपीएस अधिकारियों को अन्य राज्यों में चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है।राजनीतिक मोर्चे पर भी इस कार्रवाई को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने जहां चुनावी जीत का दावा किया है, वहीं ममता बनर्जी ने आयोग की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम बीजेपी के इशारे पर उठाया गया है।

वहीं बीजेपी ने चुनाव आयोग के इस फैसले का समर्थन किया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि राज्य में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराने के लिए ऐसे कदम जरूरी थे।चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि उसका उद्देश्य केवल स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव सुनिश्चित करना है। आयोग के अनुसार, इन बदलावों से प्रशासनिक निष्पक्षता बनी रहेगी और मतदाताओं का भरोसा मजबूत होगा।

एलपीजी का उत्पादन 40 प्रतिशत बढ़ा, नहीं पेट्रोल-डीजल की कोई कमी, अफवाहों से बचें लोग

नई दिल्ली।

पश्चिम-एशिया में युद्ध के बीच सरकार ने बुधवार बताया कि एलपीजी के मामले में खासतौर पर गैस वितरकों के पास लग रही लोगों की लंबी कतार चिंता का विषय बना हुआ है। लेकिन आपूर्ति को सुचारू रूप से जारी रखने के लिए रिफाइनरियों ने एलपीजी का घरेलू उत्पादन बढ़ाकर 40 फीसदी तक कर दिया है। वहीं, देश में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। तेल कंपनियां अपनी शत-प्रतिशत क्षमता के साथ उत्पादन कर रही हैं। फिलहाल इस मामले को लेकर केंद्र के पास कहीं से भी कमी या ड्राई आउट की कोई शिकायत नहीं आई है। इसलिए आम जनता से यह अपील है कि वो किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। सिलेंडर की बुकिंग के लिए ऑनलाइन माध्यम का ही प्रयोग करें। तेल कंपनियां पहले की तरह उपभोक्ताओं के घरों तक सिलेंडर की डिलीवरी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वर्तमान में ऑनलाइन गैस बुकिंग का आंकड़ा 93 फीसदी तक जा पहुंचा है। यह जानकारी 18 मार्च को राजधानी में पश्चिम-एशिया के हालात पर आयोजित की गई अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में केंद्रीय पेट्रोलियम-प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव (मार्केटिंग-तेल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने दी है।राज्यों को एलपीजी का अतिरिक्त आवंटनउन्होंने बताया कि एलपीजी से पीएनजी की ओर आगे बढ़ने की दिशा में केंद्र ने राज्यों को एक पत्र लिखकर 10 फीसदी अतिरिक्त कमर्शियल एलपीजी का आवंटन करने की पेशकश भी की है। जिससे सीजीडी नेटवर्क मजबूत होगा। मूल रूप से मौजूदा हालात में दिया जाने वाला यह एक प्रकार का प्रोत्साहन है, जो चरणबद्ध रूप से लागू होगा। इसके अलावा सीजीडी के पास गैस कनेक्शन को लेकर किए जा रहे आवेदनों को मंजूरी देने के लिए राज्य-जिला स्तरीय समितियों के गठन पर 1 फीसदी, डीम्ड अनुमतियों से जुड़े आदेश पर 2 फीसदी, डिग-रेस्टोर योजना लागू करने पर 3 फीसदी और वार्षिक लीज शुल्क कम करने के लिए 4 फीसदी अतिरिक्त आवंटन किया जाएगा। इसके अलावा पीएनजी नेटवर्क के विस्तार के लिए भी सरकार ने पूर्व में राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों को लिखित रूप से जरूरी दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं।दुनिया के 40 देशों से जारी तेल की खरीदशर्मा ने कहा कि हमने उपभोक्ताओं से ये अपील भी की है कि जहां तक संभव हो सके एलपीजी को छोड़कर पीएनजी कनेक्शन लें। इसका जमीनी रूप

से असर भी दिखने लगा है। बीते दो सप्ताह में कंपनियों द्वारा कुल करीब 1 लाख 20 हजार नए कनेक्शन दिए जा चुके हैं। केंद्रीय दिशानिर्देशों की अंतिम अनुपालना की जिम्मेदारी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों की है। उनके माध्यम से ही घरेलू और कमर्शियल उपभोक्ताओं को तेजी से पीएनजी कनेक्शन मिल सकेंगे। 15 राज्यों ने वितरकों को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर दिए हैं। बीते करीब चार दिनों में देश में 7 हजार 200 टन कमर्शियल एलपीजी उत्थान हुआ है। कच्चे तेल की भी देश में कोई कमी नहीं है।